दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

वर्ष-3, अंक-27
इन्दौर, शनिवार
24 अक्टूबर 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है।



दो दिवसीय मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026 का शुभारंभ

मप्र में सेमीकंडक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना होगी -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

5,800 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव ,10 हजार से अधिक रोजगार होंगे सृजित

इंदौर।

मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026 के माध्यम से प्रदेश में लगभग 5 हजार 800 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनसे 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। समिट में 1 हजार से अधिक प्रतिनिधियों और जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान एवं स्वीडन के प्रतिनिधिमंडलों की सहभागिता प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाती है। इंदौर-उज्जैन इकोनामिक कॉरिडोर के विकास में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस्ड पैकेजिंग, चिप डिजाइन एवं हाई-टेक उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे प्रदेश में उन्नत प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार को गति मिलेगी।

इंदौर-उज्जैन इकोनॉमिक कॉरिडोर में हाई-टेक उद्योगों को प्राथमिकता



मध्यप्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ा

उक्त बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश सरकार सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित कर प्रदेश को देश के प्रमुख तकनीकी केंद्रों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जीआईएस के 30 प्रतिशत से अधिक निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समिट में चिप डिजाइन, एडवांस्ड पैकेजिंग, टेस्टिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेशकों एवं उद्यमियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई है। उद्योग प्रतिनिधियों को आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सहभागिता के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश एवं औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने निवेशकों से प्रदेश के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि उद्योग जगत और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से मध्यप्रदेश के औद्योगिक एवं तकनीकी विकास को नई गति मिलेगी।

प्रदर्शनी का अवलोकन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिट में मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025 का जापानी, ताइवानी और कोरियाई भाषाओं में विमोचन किया।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

- सेमीकंडक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना
- फोटोनिक्स एवं क्वांटम टेक्नोलॉजीज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
- कोरियाई, जापानी और ताइवानी भाषाओं में सेमीकंडक्टर नीति का किया विमोचन।

एमपी सेमीकॉन स्टार्टअप चैलेंज के विजेताओं को किया पुरस्कृत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश सेमीकॉन स्टार्टअप चैलेंज के विजेताओं को पुरस्कृत किया। विजेताओं को कुल 6 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, जिसमें प्रथम पुरस्कार 3 लाख, द्वितीय पुरस्कार 2 लाख तथा तृतीय पुरस्कार 1 लाख रुपये शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने 12 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों से की वन-टू-वन बैठक- मुख्यमंत्री ने सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेंटर, आईटी अवसंरचना, एवीजीसी-एक्सआर और हेल्थ-टेक क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर 12 से अधिक कंपनियों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन चर्चा की। इन बैठकों में प्रदेश के लिए लगभग 5 हजार 800 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर प्रस्तावित हैं। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, स्थानीय सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सतना देवेंद्रनगर और रीवा चुरहट रेलखंडों का उद्घाटन आज

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वर्चुअली होंगे शामिल

भोपाल। सतना देवेंद्रनगर और रीवा चुरहट रेलखंडों का आज उद्घाटन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार को सतना देवेंद्रनगर और रीवा-चुरहट रेलखंडों का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर देवेंद्रनगर चुरहट ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इसी के साथ विंध्य क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हो जाएगी। सतना, देवेंद्रनगर, रीवा, चुरहट और आसपास के क्षेत्रों के बीच आवाजाही सुगम होगी।

एक नजर में

- सतना देवेंद्रनगर रेलखंड की लंबाई 53 किलोमीटर।
- रीवा चुरहट रेलखंड की लंबाई 65 किलोमीटर।

भारत-चीन सैनिकों के बीच फिर बन रहे टकराव के हालात

नई दिल्ली।



आईटीबीपी के डीजी का खुलासा

अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिकों के फिर आमने-सामने आने की बात सामने आने के बाद बहस चल पड़ी है। दरअसल, आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने खुलासा किया है कि पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों के सैनिक आमने सामने हुए, कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी और यह अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि गलवान जैसा मामला फिर रिपीट ना हो इसलिए फोकस ड्रोन फोर्स पर होना चाहिए। शत्रुजीत ने यह बयान अपने रिटायरमेंट के 7 दिन पहले दिया है। वे 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं।

राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में डीजी कपूर ने यह बात कहकर हलचल मचा दी है। उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह माना कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ा दी है। जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हुईं, लेकिन तनाव बरकरार रहा। इसी बीच सितंबर में 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भी हुआ, जिसमें हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए थे। आईटीबीपी यानी इंडियन-तिब्बत बार्डर पुलिस की बड़ी आधुनिकीकरण योजना में करीब 4,000 करोड़ की मंजूरी मिलने पर 1,000 करोड़ ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम के लिए रखे जाएंगे।

उपायुक्त के मनमाने आदेश से नाराज दोनों चुनाव आयुक्त, कैबिनेट सेक्रेटरी को पत्र

नई दिल्ली।

एसआईआर को लेकर विरोध व चर्चा के बीच अब चुनाव आयोग के उपायुक्त मनीष गर्ग के कामकाज के विवाद पर एक नई जानकारी सामने आने से नया मोड़ आ रहा है। आरटीआई से खुलासा हुआ है कि दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को अलग-अलग पत्र लिखकर उनके कामकाज की शिकायत की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरटीआई में बताया गया, कैबिनेट सचिवालय ने ये शिकायतें चुनाव आयोग को ओर से आधिकारिक नहीं मानीं। सचिवालय का मानना था कि इस स्तर पर कार्रवाई करना उचित नहीं होगा। इसे संवैधानिक संस्था के काम में दखल माना जा सकता है। आरटीआई एक्टिविस्ट लोकेश के. बत्रा को यह जवाब दिया गया है। गर्ग पर आरोप है कि उन्होंने चुनाव आयोग या संबंधित अधिकारियों से चर्चा किए बिना वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज को बदलने वाला आदेश जारी किया था। दोनों आयुक्तों ने 30 जुलाई को गर्ग के काम के बंटवारे से जुड़ा आदेश रद्द कर दिया व निर्देश दिया कि आयोग में किसी बदलाव पर सहमति बनने तक पुरानी व्यवस्था जारी रहेगी। अगस्त 2024 में केंद्र सरकार की कैबिनेट नियुक्ति समिति ने उन्हें चुनाव आयोग में उप चुनाव आयुक्त बनाने की मंजूरी दी थी।



'चाय, समोसा, रस मलाई, सारे माफिया अपने भाई', 15 जिलों में लगे पोस्टर; सपा पर निशाना

लखनऊ। अखिलेश यादव और आजम खान की जेल में मुलाकात के बाद यूपी में सियासी हलचल तेज हो गई है। यूपी के 15 जिलों में राजनीतिक पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा गया है। लखनऊ, बलिया, मऊ, गाजीपुर, आजमगढ़, वाराणसी, बस्ती, हरदोई और सीतापुर समेत यूपी के 15 जिलों में इस तरह के पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और आजम खान की तस्वीरें अखिलेश यादव के साथ लगाई गई हैं। इन पोस्टरों में स्लोगन भी लिखे हुए हैं, जिनके जरिए सपा पर माफियाओं के साथ होने के आरोप लगाए गए हैं। दरअसल, यूपी के कई शहरों में लगे पोस्टर में समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान लगाए गए आरोपों का जिक्र किया गया है।

अब अमिताभ का घर उड़ाने व दिलजीत को मारने की धमकी, मचा हड़कंप

महापौर को भेजा मेल, ऑपरेशन ब्लूस्टार का बदला लेने की बात

मुंबई।

अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर तीन फायर करने के बाद अब अमिताभ बच्चन और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को जान से मारने की धमकी से हडकंप मच गया है। मुंबई की मेयर रितु तावड़े को यह धमकी भरा ई-मेल भेजा गया है, इसमें अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा को बम से उड़ाने की बात लिखी गई। मेल में कहा गया कि 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच कभी भी बंगले को निशाना बनाया जा सकता है। यह हमला 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला होगा। इसी मेल में गायक दिलजीत दोसांझ को भी आत्मघाती हमले में मारने की धमकी दी गई है।

मुंबई पुलिस बारीकी से मामले की जांच कर रही है, यह मेल तब आया है, जब 5 दिन पहले रविवार को एक्टर टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में फायरिंग की गई। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। अब मुंबई मेयर को भेजे गए मेल में खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। इसमें 1984 के सिख-विरोधी दंगों का भी जिक्र है। मेल में कहा गया कि दिलजीत ने अमिताभ बच्चन के पैर छूए थे इसलिए उस पर हमला किया जाएगा।

मेल में लिखा है कि 27 नवंबर को दिलजीत को महालक्ष्मी रेस कोर्स में आत्मघाती हमले में मारना है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस, पुलिस की डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें बीएमसी मुख्यालय पहुंचीं। मेयर और डिप्टी मेयर कार्यालय सहित विभिन्न चैंबर्स की भी तलाशी ली इसके अलावा मुंबई के दादर स्थित कई प्रमुख स्कूलों को भी धमकी भरे ईमेल मिले हैं।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 7 की मौत, शवों के उड़े चीथड़े

सीवान। बिहार के सीवान जिले के जामो थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव में शुक्रवार शाम पटाखा बनाने के दौरान हुए भीषण विस्फोट में करीब 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के पांच लोग शामिल हैं। पटाखा कारोबारी अमीरुद्दीन, इनकी तीन पोतियां, एक पोता के अलावा दो मजदूरों की बात सामने आई है। हालांकि सीवान के डीएम विजय प्रकाश मीणा ने कहा कि अभी तक दो-तीन लोगों के ही शव बरामद किए जा सके हैं। अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है। बचाव दल घर में प्रवेश कर रहा है। पूरी तरह छानबीन के बाद ही सही संख्या का पता चल पाएगा।

भारत ने यूएन में पाकिस्तान को फिर धोया

आतंकवाद को लेकर सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली।

भारत ने आतंकवाद को लगातार समर्थन देने के लिए यूनाइटेड नेशन्स में पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला। भारत ने पड़ोसी देश से धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर सवाल किए। साथ ही, भारत ने प्रवासियों के मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के स्पेशल रैपोर्टियर की एक रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया। बता दें कि भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र में देश की प्रथम सचिव (फर्स्ट सेक्रेटरी) भाविका मंगलानंदन ने जवाब दिया। रिपोर्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए, मंगलानंदन ने कहा कि इसमें यह बताया गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान सभी गलत चीजें केवल 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) में हुईं, जबकि विकसित देशों में भी ऐसी ही दुखद स्थितियां थीं, जिन्हें पूरी तरह से अनदेखा कर दिया गया।



आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को लताड़

पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश में आतंकवादी खुलेआम काम करते हैं। उन्होंने कहा कि एक आतंकवादी न केवल निर्दोष लोगों को जान लेता है, बल्कि पूरे देश की मानसिकता को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने कहा, कानूनी सीमाएं संप्रभु अधिकारों के सिद्धांतों के अनुसार तय की जानी चाहिए।

भूमिगत ट्रेन की जद में आ रहे पेड़ों की कटाई को लेकर हाईकोर्ट के निर्देश

पक्षियों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पेड़ों को एक साथ नहीं काटा जाए

इंदौर।

इंदौर में प्रस्तावित भूमिगत मेट्रो ट्रेन की जद में कई क्षेत्र आ रहे हैं। इसी के अंतर्गत इंदौर में रानी सराय स्थित एसपी कार्यालय परिसर में भूमिगत मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई के मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने पक्षियों के संरक्षण को लेकर कई निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने शुक्रवार को कहा है कि पेड़ों को मनमाने तरीके से या एक साथ नहीं काटा जाएगा। कटाई और शाखाओं की छंटाई कम से कम दो पक्षी विशेषज्ञों की सलाह और निगरानी में चरणबद्ध तरीके से करनी होगी। साथ ही, परियोजना से जुड़े पक्षों को 2500 पौधे लगाने और उनके रखरखाव की जानकारी हर साल कोर्ट में प्रस्तुत करनी होगी। हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस जय कुमार पिल्लई ने 22 अक्टूबर 2026 को जनहित याचिका (प्रियांशु जैन विरुद्ध भारत संघ एवं अन्य) के मामले में यह आदेश दिया। हाईकोर्ट ने निर्देश दिए कि पेड़ों की कटाई या शाखाओं की छंटाई इस तरह की जाए कि पक्षियों को आसपास के दूसरे पेड़ों पर जाने का समय मिल सके। इस दौरान घोंसलों, अंडों और उनमें मौजूद छोटे पक्षियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना होगा।

कोर्ट ने मौके पर वन्यजीव बचाव दल को जाल और चिकित्सा किट के साथ मौजूद रखने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि घायल पक्षियों या घोंसलों से गिरने वाले बच्चों को जरूरत पड़ने पर तत्काल मदद मिल सके। कोर्ट के निर्देशानुसार आसपास पर्याप्त जगह उपलब्ध होने पर उसी तरह की प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएं, ताकि पक्षियों को भविष्य में दोबारा आश्रय मिल सके।

माँ राजराजेश्वरी कोटि कुंकुमार्चन अनुष्ठान में 50 हजार भक्त एक साथ करेंगे माँ का एक करोड़ अर्चन

शरद पूर्णिमा पर राजधानी में महा-अनुष्ठान, तैयारियां तेज

भोपाल।

राजधानी के लालपरेड ग्राउंड में संतश्री रावतपुरा सरकार के सानिध्य में शरद पूर्णिमा के अवसर पर 26 अक्टूबर को होने वाले अर्चन की तैयारियों का दौर लगातार चल रहा है। कल इसी क्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अमले के आला अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर कार्यक्रम के दौरान की जाने वाली प्रशासनिक तैयारियों का ब्लू प्रिंट बनाया।

कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग के साथ भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकेश नायक एवं राजीव सिंह, पूर्व विधायक संजय शर्मा, भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार, डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे सहित विद्युत मंडल एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने लाल परेड ग्राउंड का निरीक्षण कर माँ राजराजेश्वरी हरिद्रा कोटि कुंकुमार्चन महाअनुष्ठान की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान जल, एंबुलेंस, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।



माँ राजराजेश्वरी कोटि कुंकुमार्चन अनुष्ठान में लगभग 50 हजार भक्त एक साथ बैठकर माँ का एक करोड़ अर्चन करेंगे। काशी, हरिद्वार, वृन्दावन के साथ श्री रावतपुरा सरकार देवस्थानम के मुख्य वैदिक आचार्यों के साथ 1100 आचार्य इस महानुष्ठान को सम्पन्न कराएंगे। स्वसिद्धि प्रदान करने वाला कलयुग का यह सबसे प्रभावी अनुष्ठान माना जाता है। जिसमे कोई भी व्यक्ति भारतीय पारम्परिक वेशभूषा धारण कर लाल परेड ग्राउंड पहुंचकर अपना स्थान ग्रहण कर सकते है। यह आयोजन पूरी तरह निशुल्क है। अनुष्ठान में उपयोग होने वाली सम्पूर्ण सामग्री श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट द्वारा प्रदान की जाएगी।

संपादकीय

सोनिया गांधी की आत्मकथा: इतिहास के पन्ने खुलेंगे या राजनीति में नया तूफान?

प्रेम, परिवार, सत्ता और रहस्यों की कहानी

भारतीय राजनीति में कुछ किताबें केवल साहित्य नहीं होतीं, बल्कि इतिहास को देखने का नया नजरिया भी देती हैं। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा 'विलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव ऐसी ही एक पुस्तक मानी जा रही है। 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित होने जा रही इस किताब ने बाजार में आने से पहले ही राजनीतिक हलकों में उत्सुकता पैदा कर दी है। सोनिया गांधी ने 22 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर पहला वीडियो जारी कर पुस्तक की झलक दिखाई है। अब सवाल है, यह आत्मकथा उनके निजी जीवन की कहानी बनकर रह जाएगी या भारतीय राजनीति के कई अनकहे अध्याय भी सामने लाएगी? सोनिया गांधी की कहानी केवल एक विदेशी युवती के भारतीय परिवार की बहू बनने की कहानी नहीं है। यह उस महिला की यात्रा है, जिसने भारत के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवार में प्रवेश किया। उन्होंने पिछले 58 वर्षों में ऐसी ऐतिहासिक घटनाओं का सामना किया, जिन्होंने उनके व्यक्तिगत जीवन और उनकी सोच को हमेशा के लिए बदल दिया। 25 फरवरी 1968 को राजीव गांधी से विवाह के बाद सोनिया गांधी भारतीय समाज और संस्कृति का हिस्सा बनीं। भारतीय खान-पान, परंपराओं, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक जीवन को समझने से लेकर नेहरू-गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत के बीच अपनी पहचान बनाने तक उनका सफर असाधारण रहा है। इस सफर में खुशियों से अधिक दुख और त्रासदियां भी आईं। संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मृत्यु, 1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या और 1991 में राजीव गांधी की आतंकवादी हमले में मृत्यु ने इस परिवार को गहरे आघात दिए। इन घटनाओं को सोनिया गांधी ने परिवार के भीतर से देखा और उसे सहन किया है।

उनकी आत्मकथा में इन प्रसंगों का विवरण इतिहास के मानवीय एवं राजनीतिक पक्ष को समझने का एक मौका भी होगा। सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन का सबसे चर्चित अध्याय 2004 में सामने आया, जब कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन को लोकसभा चुनाव में सफलता मिली। कांग्रेस संसदीय दल ने उन्हें अपना नेता चुना, उन्होंने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया। उस समय विदेशी महिला होने के कारण उनका विरोध हो रहा था। उन्होंने ऐसे समय पर डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय लिया। यह फैसला त्याग था या रणनीति थी, या परिस्थितियों की मांग थी। इस पर वर्षों से बहस होती रही है। आत्मकथा में उस समय की परिस्थितियों, पार्टी के भीतर हुए विचार-विमर्श और उनके व्यक्तिगत निर्णय के कारणों का विस्तार मिलता है, तो भारतीय राजनीति की महत्वपूर्ण घटनाओं को एक महत्वपूर्ण अध्याय को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा। पुस्तक को लेकर विवाद तब बढ़ा, जब पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने इसके प्रकाशन से पीछे हटने की घोषणा की। संपादकीय बदलावों और कुछ अंशों को लेकर मतभेद की खबरें सामने आईं। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने बाहरी दबाव की आशंका जताई। प्रकाशक ने इस दावे से असहमति व्यक्त करते हुए कहा, संपादकीय समीक्षा और तथ्य-जांच सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। बाद में हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने पुस्तक प्रकाशित करने की जिम्मेदारी ली। इस घटनाक्रम ने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा किया है, क्या किसी राजनीतिक व्यक्तित्व की आत्मकथा में सत्ता, सरकार और राजनीतिक विरोधियों से जुड़े विवादास्पद प्रसंगों को बिना अनुचित हस्तक्षेप के सामने आने का अवसर मिलना चाहिए? इसका उत्तर लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रकाशकीय जिम्मेदारी और तथ्यात्मक निष्पक्षता के बीच विचार विमर्श को बढ़ा दिया है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा में यदि समकालीन राजनीति, कांग्रेस के आंतरिक निर्णयों, विपक्ष की रणनीतियों और प्रमुख नेताओं के साथ उनके अनुभवों पर महत्वपूर्ण विवरण सामने आते हैं, तो राजनीतिक दलों के बीच नई बहस शुरू होना तय है। हालांकि, पुस्तक पढ़े बिना कोई निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है। इस पुस्तक में कौन-से नए खुलासे होंगे। उनका राजनीतिक प्रभाव कितना व्यापक होगा। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच लंबे समय से चल रहे राजनीतिक संघर्ष के संदर्भ में पुस्तक के कुछ प्रसंगों पर राजनीति में असर पड़ सकता है। इससे संसद, मीडिया और राजनीतिक विमर्श में नए प्रश्न जरूर उठेंगे, जो वर्तमान राजनीति को प्रभावित करेंगे। सोनिया गांधी ने छह दशकों में भारत के अनेक ऐतिहासिक परिवर्तन देखे हैं। आपातकाल, इंदिरा गांधी का सत्ता से हटना और पुनः सत्ता में वापसी, ऑपरेशन ब्लू स्टार, इंदिरा गांधी की प्रधानमंत्री निवास में गोलियों से भूनकर हत्या, राजीव गांधी का प्रधानमंत्री बनना, फिर उनकी हत्या। राजनीतिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से ऐसी घटनाएं थीं, जिन्हें झेल पाना हर आदमी के बस की बात नहीं होती है। यह सभी घटनाएं आधुनिक भारत के इतिहास का हिस्सा हैं। इन घटनाओं को देखने वाले व्यक्ति की स्मृतियां इतिहास को एक अलग दृष्टिकोण और सीख दे सकती हैं। आत्मकथा लेखक का अपना दृष्टिकोण होता है। यह कितने सही हैं इसको जानने के लिए ऐतिहासिक दस्तावेजों, प्रत्यक्षदर्शियों के विवरणों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह लोगों को प्रभावित करते हैं। सोनिया गांधी की यह पुस्तक केवल अतीत की कहानी नहीं, वर्तमान की राजनीति को समझने का माध्यम और भविष्य का आधार भी बन सकती है। 10 नवंबर को पुस्तक प्रकाशित होने के बाद ही स्पष्ट होगा, इसमें व्यक्तिगत स्मृतियों का संसार अधिक है, एक राजनीतिक सोच के साथ लिखी हुई पुस्तक है, या राजनीतिक इतिहास के ऐसे पहलू भी हैं, जिन पर अब तक पर्याप्त चर्चा नहीं हुई हैंह इतना तय है, इस पुस्तक ने अपने प्रकाशन से पहले ही देश और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस पुस्तक को लेकर जिज्ञासा को बढ़ा दिया है। यह पुस्तक ऐसे समय पर आ रही है, जब वर्तमान सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों ने एक मोर्चा खोल रखा है। चुनाव आयोग और न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्था भी विवादों में हैं। जिसके कारण इसका राजनीतिक महत्व बढ़ गया है।

राज काज

नेहा बोरा ने सीजेपी से पल्ला झाड़ा?

कम्युनिस्ट पार्टी की छात्र नेता नेहा बोरा ने पार्टी से पल्ला झाड़ लिया है। सीपीआई एमएल के छात्र संगठन आइसा की अध्यक्ष ने कहा, सीजेपी की तिरंगा रैली में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। पुलिस ने उन्हें बांड भरने का आदेश दिया था। शांति बनाए रखने के लिए 10000 कानिजी मुचलका और एक जमानत दार पेश करने को कहा था। इस पर उन्होंने सीजेपी की रैली से अपना पल्ला झाड़ लिया है। वैसे भी वह अब कांग्रेस की ओर आकर्षित हैं. कांग्रेस के पक्ष में बयार बह रही है। राहुल गांधी लगातार युवाओं के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। एक तरह से साम्यवाद की लड़ाई अब राहुल गांधी की ओर से लड़ी जा रही है। जल्द ही नेहा बोरा कांग्रेस में दिखेंगी।

नेतन्याहू ने मोदी जी को फोन किया

भारत के नेशनल मीडिया में यह खबर छाई रही। इजरायल के प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय चुनाव के 5 दिन पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की। उन्होंने चुनाव में नोदी की नन्दद भी मांगी है। इजरायल के प्रधानमंत्री ने इजरइल के स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमन्त्रित किया है। तब तक वह प्रधानमंत्री रहेंगे, या नहीं यह भी अभी निश्चित नहीं है। इस बात का बड़ा प्रचार प्रसार भारत के नेशनल मीडिया ने किया। इसका फायदा इजरायल की चुनाव में नेत न्याहू को होगा या नहीं, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका एवं वर्तमान प्रासंगिकता

संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस पर विशेष



तुषील कुमार महला



शांति, सुरक्षा और मानवता की रक्षा बहुत ही जरूरी है और द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका ने विश्व समुदाय को यह एहसास कराया कि इन सबकी रक्षा के लिए विश्वे में एक प्रभावी, मजबूत एवं निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय संगठन का होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। पाठकों को बताता चलूं कि वर्तमान में इस संगठन के 193 सदस्य देश हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यू०एन०ओ०(संयुक्त राष्ट्र संघ) केवल राष्ट्रों का ही संगठन नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शांति, बहुपक्षवाद, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और साझा मानव भविष्य की सामूहिक आकांक्षा का प्रतीक है। आज जब पूरा विश्व युद्ध, भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, जलवायु संकट, आतंकवाद, आर्थिक असमानता और विघिन्नस तकनीकी एवं अन्यआ चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है, तब संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और प्रासंगिकता पर विचार करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

इस संगठन की भूमिका के बारे में यदि हम यहां पर चर्चा करें तो इसका काम विश्व के विभिन्न देशों के बीच आपसी सहयोग और मित्रता को बढ़ावा देना है। पाठक जानते होंगे कि यह संगठन अंतरराष्ट्रीय विवादों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने या यूं कहें कि देशों के बीच विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, कूटनीतिक संवाद, शांति स्थापना और संघर्षों की रोकथाम करने, युद्धों को रोकने, मानवाधिकारों की रक्षा करने(मानव गरिमा, स्वतंत्रता, समानता तथा भेदभावरहित समाज की स्थापना को प्रोत्साहन) तथा गरीब और जरूरतमंद देशों की सहायता करने में (गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा और असमानता को कम करने में सहयोग) या यूं कहें कि वैश्विक सामाजिक-आर्थिक विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इतना ही नहीं यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी कार्य करता है। इसके अलावा, यह प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय संकटों(जैसे कि युद्ध, विस्थापन, महामारी और प्राकृतिक आपदाओं) के समय प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय कानून का विकास करने में भी इस संगठन की भूमिका बहुत ही महत्तसवपूर्ण है। दरअसल, यह संगठन राष्ट्रों के बीच नियम-आधारित व्यवस्था, संधियों और कानूनी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्तघ, जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता बचाने और सतत विकास को बढ़ावा देने या यूं कहें कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी इस संगठन की भूमिका बहुत विशेष है।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ही नहीं, विभिन्नि वैश्विक समस्याओं जैसे कि स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी चुनौतियों पर सामूहिक कार्रवाई के लिए भी यह संगठन मंच उपलब्ध कराता है। कुल मिलाकर, यह बात की जा सकती है कि, संयुक्त राष्ट्र विश्व में शांति, सुरक्षा, समानता और सहयोग स्थापित करने का प्रयास करता है। आज संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता केवल उसके उद्देश्यों से नहीं, बल्कि इस बात से निर्धारित होती है कि वह बदलती विश्व व्यवस्था की चुनौतियों का समाधान कितनी प्रभावशीलता से कर पाता है। जैसा कि इस आलेख में पूर्व में भी चर्चा कर चुका हूं कि यहे संगठन वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के लिए काम करता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के संघर्ष और अन्य क्षेत्रीय संकटों के बीच संयुक्त राष्ट्र कूटनीतिक संवाद, मानवीय सहायता तथा शांति स्थापना के लिए एक महत्तवपूर्ण मंच है। हालांकि, यह बात अलग है कि सुरक्षा परिषद में महाशक्तियों के मतभेद इसकी प्रभावशीलता को सीमित करते हैं। बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन भी इस संगठन का प्रमुख कार्य है।

सुविचार

जो अप्राप्त वस्तु के लिए चिंता नहीं करता और प्राप्त वस्तु के लिए रम रहता है, वह संतुष्ट कहा जा सकता है।

- महोपनिषद

जल से शरीर शुद्ध होता है, मन से सत्य शुद्ध होता है, विद्या और तप से भूतात्मा तथा ज्ञान से बुद्धि शुद्ध होती है।

- मनुस्मृति

प्रसंगत

इंसानियत का कारखाना

एक बार एक सज्जन महान वैज्ञानिक आइंस्टीन के पास आए। उन्होंने कुछ देर तक उनसे इधर-उधर की चर्चा की फिर बोले, 'आज विज्ञान ने एक से बढ़कर एक सुख-सुविधाओं के साधन बनाने में सफलता पा ली है। अब पलक झपकते ही दूरियां तय हो जाती हैं, कुछ ही क्षणों में सुविधाओं की सारी चीजें हमारे पास आ जाती हैं, मगर फिर भी जाने क्या बात है कि समाज में अशांति, असंतोष, कलह व बुराई पहले की अपेक्षा ज्यादा पनप रही है। आखिर इसका क्या कारण है? सुविधाएं अधिक होने पर तो इंसान को प्रसन्न होना चाहिए। उसके मन को शांति व संतोष भी मिलना चाहिए।' उस सज्जन की बातें सुनकर आइंस्टीन बोले, 'मित्र, हमने शरीर को सुख पहुंचाने वाले तरह-तरह के साधनों को खोजने में अवश्य सफलता प्राप्त कर ली है किंतु जीवन में असली सुख-शांति मन-मस्तिष्क को आंतरिक आनंद प्राप्त होने से मिलती है। क्या हमने इंसानियत का ऐसा कोई कारखाना लगाया है, जिससे लोगों के अंदर मर रही संवेदनाओं को जीवित किया जा सके, उनके अंदर त्याग, ममता, करुणा, प्रेम आदि को उत्पन्न किया जा सके? क्या हमने ऐसा कोई कारखाना बनाया है जहां पर मन-मस्तिष्क को आनंद देने वाले साधनों का निर्माण किया जाता हो?' आइंस्टीन की बात सुनकर वह सज्जन चकराए। उन्हें लगा शायद आइंस्टीन ऐसा कोई कारखाना लगाने के बारे में सोच रहे हों, तभी ऐसी बात कर रहे हैं। लेकिन उन्हें लगा कि यह तो मुमकिन नहीं है। इसलिए कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने अपनी जिज्ञासा रखी, 'भला इंसानियत के कारखाने का निर्माण कैसे संभव है? इंसानी भावनाएं तो इंसान के अंदर पनपती हैं मशीन के अंदर नहीं।' उनकी बात सुनकर आइंस्टीन ने मुस्कराते हुए कहा, 'जनाब, बिल्कुल ठीक कहा आपने। अशांति-असंतोष दूर करने के लिए हमें लोगों में इंसानियत की भावना पैदा करने की ओर ध्यान देना होगा। भौतिक साधनों से सुख-शांति कदापि नहीं मिल सकती।' वह सज्जन आइंस्टीन की बात से सहमत हो गए।

जानलेवा होती हवा : सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं।

जरा हटके

प्रशांत महासागर में हजारों एलियन वायरस मिले वैज्ञानिकों को

प्रशांत महासागर की अथाह गहराई से एक ऐसी असाधारण खोज सामने आई है, जिसने वैज्ञानिकों को अचंभित कर दिया है। चीन की चोंगकिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने प्रशांत महासागर के क्लेरियन-क्लिपर्टन जोन में लगभग 12 हजार तरह के एलियन वायरसों की पहचान की है। इन्हें एलियन इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि इनमें से 99 प्रतिशत से ज्यादा को वैज्ञानिक पहचानते तक नहीं हैं और न ही उनके बारे में कभी सुना है। यह विशाल समुद्री क्षेत्र मैक्सिको और हवाई के बीच स्थित है, जहां की गहराई लगभग 6000 मीटर तक पहुंचती है। सूरज की रोशनी से दूर इस अंधेरी दुनिया में जीवन किस तरह पनपता है, यह वैज्ञानिकों के लिए लंबे समय से एक दिलचस्प सवाल रहा है। इस क्षेत्र की तलहटी पर आलू के आकार जैसी लाखों धातुओं से भरी हुई चट्टानें बिखरी हुई हैं, जिन्हें पॉलीमेटैलिक नोड्यूल कहा जाता है।

इनमें कोबाल्ट, निकेल और मैंगनीज जैसी बहुमूल्य धातुएं मौजूद हैं, जिनकी जरूरत इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियां बनाने में पड़ती है। यही वजह है कि इस समुद्री इलाके में खनन को लेकर दुनिया की दिलचस्पी बढ़ रही है। वैज्ञानिकों ने समुद्र की तलहटी से जुटाए गए 60 से अधिक सीबेड नमूनों का विश्लेषण किया। जांच में सामने आया कि इन वायरसों की आनुवंशिक बनावट पहले से उपलब्ध वैज्ञानिक आंकड़ों से काफी अलग है। इनके प्रोटीन समूहों में से केवल लगभग 4 प्रतिशत का ही ग्लोबल डेटाबेस में मौजूद जानकारी से मेल मिला। यह स्पष्ट करता है कि समुद्र की गहराइयों में अभी भी बहुत से ऐसे वायरस हैं, जो वैज्ञानिकों के लिए पूरी तरह से अनजाने हैं।

शोधकर्ताओं को चिंता है कि बड़े पैमाने पर समुद्री खनन से तलहटी की मिट्टी उड़ाड़ सकती है और वहां रहने वाले सूक्ष्म जीवों तथा उनसे जुड़े प्राकृतिक चक्रों पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है। अगर सीधे-सीधे कहें तो इन वायरसों को फिलहाल इंसानों की सेहत के लिए खतरा नहीं माना जा रहा है। हालांकि, इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि समुद्र के इकोसिस्टम में इनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। ये माइक्रोऑर्गेनिज्म की संख्या नियंत्रित करने और कार्बन, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और सल्फर जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक चक्रों को बनाए रखने में मदद करते हैं। कुछ वायरस ऐसे जीन भी रखते हैं, जो सूक्ष्म जीवों को कठिन वातावरण में जीवित रहने में सहायता कर सकते हैं।

फोटो ऑफ द डे



गाजा में इजरायली हमले के बाद एक वाहन में लगी आग पानी डालकर बुझाते हुए फिलिस्तीनी दमकलकर्मी।

चिंतन-मनन

भय को पहचानो

बहुत तरह के मानसिक भय हमें चारों तरफ से दबाए हुए हैं।उन्हें हमें पहचान लेना पड़ेगा।उन्हें हम बिना पहचाने छोड़ भी न सकेंगे।जिस भय को हम पहचान लेंगे, वह छूट जाएगा।लेकिन हम उन्हें पहचान नहीं पाते, नये-नये नाम दे देते हैं।और नाम धोखे के हैं।हम इतनी ज्यादा चालाकी में जिए हैं हजारों वर्षों में कि चीजों पर ठीक-ठीक नाम नहीं रहने दिये। हर डिब्बे पर नाम बदल दिया है। अंदर कुछ और है, ऊपर नाम कुछ और है।इसलिए खोज भी बहुत मुश्किल हो गई है कि कौन सी चीज कहां है। एक आदमी को हम कहते हैं- यह बहुत अच्छा आदमी है। और सौ अच्छे आदमियों में से अठानवे अच्छे आदमी अच्छे नहीं होते।सिर्फ डरे हुए लोग होते हैं और डर की वजह से अच्छे मालूम होते हैं। मैं कहता हूं, मैं कभी चोरी नहीं करता।लेकिन अगर थोड़ी जांच-पड़ताल करूं तो पता चलेगा कि चोरी तो मैं भी करना चाहता हूं, लेकिन भय मुझे रोक लेता है।तब मैं अच्छा आदमी नहीं हूं, भयभीत आदमी हूं।लेकिन हम लेबल बदल देंगे। हमें पता ही नहीं चलता।

व्यंग

राजनीति में पालतू

राजेंद्र त्यागी

शहर भर के पालतू सारी रात वार्तालाप में व्यस्त रहे। गली-मुहल्ले में जा-जाकर, घर-घर जा-जाकर। कई जगह तो नुक्कड़ सभाओं जैसा आलम था। शहर स्तब्ध था। एक-दूसरे को फूटी आँख भी न सुहाने वालों के बीच अचानक प्रेम संबंध! स्तब्ध होने के साथ-साथ शहर भयभीत भी था। शहर सोच रहा था कि पालतुओं के मध्य ऐसा प्रेम व्यवहार, ऐसा सौहार्द पूर्ण वार्तालाप पहले, न तो कभी देखा और न सुना! कहीं कोई मुसीबत न खड़ी कर दें। पालतू आने वाले खतरे को भी दूर से भाँप लेते हैं, पालतुओं के मध्य इतनी सक्रियता, कहीं संभावित खतरे के कारण ही तो नहीं! कारण कुछ भी हो, कोई न कोई खतरा तो अवश्य है। यही सोच-सोचकर शहर भयभीत भी था। बावजूद इसके शहर सोया, मगर स्थान निद्रा में। दरअसल शहर पालतू-प्रेमी था। किसी का कोई वीरान घर ऐसा होगा, जो पालतुओं से शोभायमान न हो, उनकी मधुर आवाज से गुंजायमान न हो। कमजोर वर्ग कमजोरों पर स्नेहिल हाथ फिराकर पालतू-प्रेमी होने का अहसास कर लेते थे।

मध्यवर्गीय अपनी-अपनी हैसियत के हिसाब से बाकायदा एक-दो पाले रखते थे। उच्चवर्ग की तो बात ही अलग थी, जब तक दो-तीन पालतू और दो-तीन बे-पालतू फालतू में दरवाजे पर न हों तो कैसी रईसी! शहर में नेताओं की भी कमी न थी। छुट भइया से लेकर बड़-भइया तक हर किस्म के और हर स्तर के नेता शहर के बाशिंदे थे। और यह भी जग जाहिर है कि नेता के दरवाजे पर एक-दो पालतू न हो, तो काहे की नेतागीरी। मंत्रीजी और विधायक जी का आवास भी इसी शहर की शोभा बढ़ा रहा था। उनके दरवाजे पर पालतुओं की संख्या! नहीं-नहीं, हमने गिनने की जहमत क्या, कभी हिम्मत भी नहीं की और करते भी, तो क्या गिन पाते। कुछ स्थायी पालतू थे, तो कुछ बे-पालतू किस्म के पालतू अर्थात फालतू! कुछ दरवाजे पर ही जमे रहते तो अधिकांश आवागमनित रहते थे। कुछ जड़-खरीद थे, तो कुछ टुकड़ा देखकर पूँछ हिलाने की परिवर्तित प्रवृत्ति के धनी! शहर में ऐसे पालतुओं की संख्या भी कम न थी, जिन्हें नेता किस्म के जीव म्यूनिसपैलीटी के लॉकअप से समय-समय पर मुक्त कराते रहते हैं। दरअसल नेतागीरी में म्यूनिसपैलीटी के लॉकअप से रिहा पालतू कुछ ज्यादा ही कारगर साबित होते हैं। कूल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि मथुरा-वृंदावन में गाय का जैसा महत्तव प्राप्त है, वैसा ही महत्तव इस शहर में पालतुओं को प्राप्त है।

पालतुओं की सक्रियता के कारण जब समूचा शहर स्तब्ध था, भयभीत था। तब मंत्रीजी का घर चैन की नींद में सो रहा था। दरअसल मंत्रीजी पूरे घटनाक्रम से वाकिफ थे। हुआ यों कि एक दिन मंत्रीजी के पालतू पिल्लू सिंह के मन में ख्याल आया कि जब ऐरे-गैरे भी हमारे बल पर सत्ता के गलियारों में आराम फरमा रहे हैं, तो क्यों न हम भी उन गलियारों का मजा लें। वैसे भी हमारे बल पर सत्ता तक पहुँचने वाले, वहाँ जाकर हमारा ख्याल कहाँ रखते हैं!

स्वास्थ्य

एलआईसी-एचएफएल में 232 अप्रेंटिस पदों पर आवेदन शुरू

भारतीय जीवन बीमा निगम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने महत्वाकांक्षी युवाओं को अपना पेशेवर करियर शुरू करने का एक शानदार अवसर प्रदान किया है। कंपनी ने एक वर्ष की अवधि के लिए अपने विभिन्न कार्यालयों में अप्रेंटिस के कुल 232 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह उन ग्रेजुएट युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका है जो इस प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थान के साथ जुड़कर कार्य अनुभव प्राप्त करना चाहते हैं। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 1 नवंबर निर्धारित की गई है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवारों को नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम पोर्टल पर जाकर निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना पंजीकरण पूरा करने की सलाह दी जाती है। इन अप्रेंटिस पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से 1 अक्टूबर, 2026 तक किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी अनिवार्य है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि उनकी डिग्री 1 अक्टूबर, 2001 से पहले की नहीं होनी चाहिए।

आयु सीमा की बात करें तो, आवेदकों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 25 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 1 अक्टूबर, 2026 के आधार पर की जाएगी। नियमानुसार, आरक्षित श्रेणी से आने वाले अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में छूट का प्रावधान होगा। योग्य अभ्यर्थियों का चयन एक बहु-चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इसमें सबसे पहले एक ऑनलाइन लिखित परीक्षा आयोजित होगी, जिसके बाद सफल उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

बाइक पर टंगा बैग चुराया

इंदौर। फरियादी सुमित पिता कृष्ण कुमार दुबे निवास ए स्कीम नंबर 94 ने बताया कि वह विजयनगर चौराहे पर गया था इसी दौरान पान की दुकान के सामने बाइक पर रखा उसका बैग अज्ञात व्यक्ति चुराकर ले गया। जिसमें 4585 रुपए नगदी, क्रेडिट एटीएम कार्ड और जरूरी दस्तावेज रखे थे ।पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

गुंडे ने चाकू मारा

इंदौर। न्यू द्वारकापुरी में रहने वाले विशाल पिता मुन्नालाल प्रजापत ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले अशोक सोलंकी ने शराब पीने के लिए 200 रुपए मांगे नहीं दिए तो चाकू मार कर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कार से लैपटॉप चुराया

इंदौर। फरियादी शैलेंद्र पिता हरीश चतुर्वेदी निवासी पार्श्वनाथ कॉलोनी ने पुलिस को बताया कि वह परसपर नगर में रहने वाले चाचा से मिलने गया था तभी किसी ने कांच फोड़ कर लैपटॉप चुरा लिया। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

किशोर का अपहरण

इंदौर। गणेश धाम कॉलोनी में रहने वाले दिलीप पिता कांतिलाल साहू ने पुलिस को बताया कि उसका 16 वर्षीय बेटा राहुल को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर ले गया है। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया है।

छात्रा से की मारपीट

इंदौर। भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली नंदिनी पिता महेश शर्मा ने पुलिस को बताया कि दोस्त मनीष पिता चंद्रकांत सोनी ने बात नहीं करने की बात को लेकर उसके साथ मारपीट की और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पति सहित तीन पर केस दर्ज

इंदौर। बजरंग नगर में रहने वाली 30 वर्षीय मुस्कान कुशवाहा की रिपोर्ट पर पति शुभम सास हेमलता कुशवाहा ससुर मोहनलाल के खिलाफ पुलिस ने दहेज प्रताड़ना की धाराओं में केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि उसे मायके से बाइक लाने के लिए प्रताड़ित कर रहे थे।

चाकू सहित चार धराए

इंदौर। विजयनगर पुलिस ने अशोक पिता जगदीश सूर्यवंशी और गोपाल पिता बसंत पाल को पकड़ के पास से दो चाकू जप्त किया। इसी प्रकार पुलिस एमआईजी ने सुरेश मालवीय और विनोद परमार को पकड़ा। इनके पास से भी दो चाकू जप्त किए हैं। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

ट्रक के कांच फोड़े

इंदौर। फरियादी वीरेंद्र सिंह पिता सोहनलाल साहू निवासी सागर ने पुलिस को बताया कि उसने रिंग रोड भंवर कुवा पर ट्रक खड़ा कर खाना खाकर लौटा तो देखा कि कांच फूट हैं। फरियादी के मुताबिक अज्ञात आरोपी ने कांच फोड़ दिए।

झगड़ा करते पांच बंदी

इंदौर। पलासिया पुलिस ने विश्वकर्मा नगर में आपस में झगड़ा करते हुए सुरेश चौहान विजय साहू श्याम जोशी महेश पांचाल और कमलेश चौधरी को पकड़ा। सभी के खिलाफ प्रकरण दजी किया है।

जेठ ने की छेड़छाड़

इंदौर। मालवीय नगर में रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि उसे घर में अकेला देखकर जेठ नितिन पिता शंकर लाल वर्मा ने छेड़छाड़ की शोर मचाया तो धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

चार नशेड़ी बंदी

इंदौर। कनाडिया थाना पुलिस में गांजा पीते हुए मनोज रघुवंशी विशाल चौहान सुशील सिसोदिया और यशवंत सूर्यवंशी को पकड़ा। उनके पास से गांजे की पुड़िया बरामद की है।

चाचा का सिर फोड़ा

इंदौर। जनता क्वार्टर में रहने वाले विनोद पिता चंद्रकांत भावसार ने पुलिस को बताया कि भतीजा दीपक को शराब पीने से मना किया तो उसने सिर पर डंडा मार दिया जिसमें वह घायल हो गया।

गंजा भांग के साथ धराए

इंदौर। छतरीपुरा पुलिस ने शुभम वर्मा और नितिन गौहर को पकड़ा। इनके पास से 430 ग्राम गांजा बरामद किया इसी प्रकार पुलिस अन्नपूर्णा ने पान की दुकान में भांग बेचते हुए मुकेश प्रजापत को पकड़ा। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

राष्ट्रीय एकता व अखंडता का संदेश व नशामुक्त भारत का संकल्प लेकर इंदौर पहुंची राष्ट्रीय बाइक रैली

14 राज्यों के बाइक राइडर्स के साथ इंदौर पुलिस ने भी दिया, राष्ट्रीय एकता के साथ 'Fight Against Drugs' का संदेश







इंदौर।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और नशामुक्त समाज का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से तथा 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में सहभागिता हेतु देशव्यापी यात्रा पर निकली राष्ट्रीय बाइक रैली आज इंदौर पहुंची। इस अवसर पर डेली कॉलेज, इंदौर में रैली का भव्य स्वागत समारोह एवं नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के समन्वय से आयोजित इस राष्ट्रव्यापी अभियान में मध्यप्रदेश सहित देश के 14 राज्यों के 146 बाइक राइडर्स सहभागिता कर रहे हैं। लगभग 2,600 किलोमीटर से अधिक की यात्रा तय कर इंदौर पहुंचे, जिसमें मध्यप्रदेश पुलिस का सात सदस्यीय बाइक राइडर्स दल भी शामिल है।

स्वागत समारोह व जागरूकता कार्यक्रम पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) श्री मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्री नरेंद्र रावत, पुलिस उपायुक्त जोन-03 श्री अभिषेक रंजन, सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ दुर्गेश मिश्रा, विभिन्न राज्यों से आए पुलिस बाइक राइडर्स, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के अधिकारी, विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थी, नगर सुरक्षा समिति के सदस्यगण, सामाजिक संस्थाओं के सदस्यगण तथा इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता प्रस्तुतियों के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। अनवरत ग्रुप के विद्यार्थियों ने माइम (मूक नाटक) की प्रस्तुति, श्री दीपक नेमा ने मिमिक्री, डॉ. रागिनी मक्कड़ एवं नादयोग गुरुकुल ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति, श्री आस्तिक ने रैप सॉन्ग तथा जोशी डांस ग्रुप के नन्हे कलाकारों ने शानदार नृत्य प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान शानदार प्रस्तुति पर प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। नशामुक्ति की इस जागरूकता मुहिम के तहत मिलेनियम स्कूल में आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता तथा देहली पब्लिक स्कूल निपनिया में आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। साथ ही अति पुलिस उपायुक्त मुख्यालय श्रीमती सीमा अलावा के मार्गदर्शन में कलाकारों द्वारा बनाई say no to drugs की एक प्रेरक पेंटिंग का अनावरण भी किया गया।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने देश के 14 राज्यों से आए पुलिस परिवार के बाइक राइडर्स का अभिवादन करते हुए कहा कि यह मोटरसाइकिल रैली केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, अनुशासन, साहस और नशे के विरुद्ध जनजागरण का राष्ट्रव्यापी संदेश है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय गृह मंत्री की मंशा के अनुरूप दिसंबर 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने के लिए पुलिस बलों के प्रयासों के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है।

खाकी की बड़ी कार्रवाई

चंदन नगर इलाके में बाइक पर घूम रहे ड्रग्स तस्कर का हुआ पर्दाफाश



इंदौर।

शहर में लगातार बढ़ते नशे के अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिए पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियानों के तहत चंदन नगर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए चंदन नगर थाना क्षेत्र से एक शातिर ब्राउन शुगर तस्कर को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदन नगर थाने की पुलिस टीम क्षेत्र में लगातार गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से गुप्त सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध युवक अवैध मादक पदार्थ (ब्राउन शुगर) की खेप लेकर किसी ग्राहक को सप्लाई करने की फिराक में इलाके में घूमने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाई और बताए गए हुलिए के आधार पर चंदन नगर थाना क्षेत्र के संदिग्ध मार्ग पर घेराबंदी कर दी।

कुछ देर बाद पुलिस ने एक व्यक्ति को मोटरसाईकिल पर आते हुए रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से प्रतिबंधित और महंगे नशे की पुड़िया (ब्राउन शुगर) बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राहुल पिता रमेश बताया है, जो लंबे समय से इस अवैध कारोबार में लिप्त बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में हाई-क्वालिटी ब्राउन शुगर बरामद की है।

तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल (जिसे आरोपी ग्राहकों तक डिलीवरी देने के लिए उपयोग करता था)। को जप्त किया है। पुलिस चंदन नगर ने आरोपी खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब आरोपी से रिमांड पर पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह यह ब्राउन शुगर कहां से लेकर आया था और शहर में उसके अन्य संपर्क कहां-कहां जुड़े हुए हैं। इस अवैध धंधे में शामिल बड़े सप्लायरों तक पहुंचने के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

खुड़ैल में जहर खाने से युक्ति ने तोड़ा दम

युवक की मौत, परिजनों ने लगाया डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

इंदौर।

शहर से एमवाय अस्पताल में मौत के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। पहली घटना एमआईजी थाना क्षेत्र की है, जहां घर में उबलती गर्म दाल से झुलसे एक 30 वर्षीय युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टरों पर गलत इंजेक्शन लगाने और लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया है। वहीं, दूसरी घटना खुड़ैल थाना क्षेत्र की है, जहां जहर का सेवन करने वाले एक व्यक्ति की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एमआईजी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सोमनाथ की चाल निवासी आकाश (30) पिता कन्हैयालाल वर्मा रविवार को अपने घर में गर्म दाल गिरने से झुलस गया था। हादसे में उसके पैर बुरी तरह जल गए थे। परिजनों ने उसे तुरंत इलाज के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया था।

रिश्तेदारों ने बताया कि आकाश का परिवार एमआईजी मेन रोड पर दाल-पकवान की दुकान चलाता है। दुकान के लिए दाल घर के ऊपरी कमरे में ही उबाली जाती है। रविवार को आकाश ऊपर के कमरे से नीचे दाल लेकर आ रहा था, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से गर्म दाल उस पर गिर गई और वह झुलस गया। परिजनों का आरोप है कि मंगलवार रात दर्द से परेशान होने पर जब आकाश चिल्लाया, तो डॉक्टरों ने उसे एक इंजेक्शन दिया। इंजेक्शन लगने के बाद वह बेहोश हो गया और फिर उसे होश ही नहीं आया। बुधवार रात डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के हंगामे और आरोपों के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया है। पुलिस का कहना है कि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगी। इसी प्रकार एमवाय अस्पताल में ही मौत का दूसरा मामला खुड़ैल क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, तिल्होर खुर्द निवासी अजय (46) पिता दयाशंकर ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन बुधवार को उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

ग्रामीण क्षेत्र में ऑनलाइन ठगों का बड़ा हमला!

बेटमा में एक साथ 4 लोगों के बैंक खातों में सेंध, उड़े लाखों रुपये

इंदौर।

शहर के बाद अब साइबर अपराधियों ने ग्रामीण अंचलों की ओर अपना रुख कर लिया है। बेटमा थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां बेखौफ जालसाजों ने एक-दो नहीं, बल्कि एक साथ चार अलग-अलग लोगों के बैंक खातों से लाखों रुपये पार कर दिए। पीड़ितों को जब अपने खातों से रुपये गायब होने के मैसेज मिले, तो उनके होश उड़ गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए बेटमा पुलिस ने चारों पीड़ितों की शिकायतों पर धोखाधड़ी की अलग-अलग धाराओं में अपराध दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसारपहली वारदात ग्राम चीर खान निवासी कमल पटेल 50 वर्ष के साथ हुई। फरियादी कमल के अनुसार, गत 29 सितंबर को अज्ञात साइबर ठगों ने उनके बैंक खाते में सेंध लगाकर बिना किसी पूर्व सूचना के 68,000 ऑनलाइन उड़ा लिए।

दूसरी घटना छोटा बेटमा निवासी सुमित खींची 32 वर्ष के साथ घटी। सुमित के खाते से भी शातिर जालसाज ने ऑनलाइन माध्यम से 41,000 की राशि साफ कर दी।

तीसरी वारदात काली बिलोद में रह रहे मूलत

यूपी निवासी दानिश 26 वर्ष के साथ हुई। दानिश ने बताया कि 17 अगस्त को जब उन्होंने अपने मोबाइल पर बैंक का मैसेज देखा, तो उनके पैर तले जमीन खिसक गई। अज्ञात आरोपी ने उनके खाते से 54,000 से अधिक की राशि निकाल ली थी। चौथा मामला भी काली बिलोद क्षेत्र से सामने आया, जहाँ ललितपुर यूपी के मूल निवासी मयंक अहिरवार 20 वर्ष को निशाना बनाया गया। मयंक के बैंक खाते से अज्ञात ठगों ने ऑनलाइन 40,000 गायब कर दिए। एक ही थाना क्षेत्र में ऑनलाइन धोखाधड़ी की चार बड़ी वारदातें सामने आने के बाद बेटमा थाना पुलिस सतर्क हो गई है। पुलिस ने चारों मामलों में अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस की साइबर टीम अब ट्रांजैक्शन डिटेल्स और बैंक खातों की कड़ियों को जोड़कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह की दो टूक

अपराधियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

इंदौर।

शहर में बढ़ते अपराधों पर प्रभावी लगाम कसने, कानून-व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने और आगामी रोशनी के पर्व दीपावली के मद्देनजर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। नगरीय क्षेत्र के तमाम वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुई इस बैठक में पुलिस कमिश्नर ने दो टूक निर्देश दिए हैं कि शहर की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को पूरी मुस्तैदी, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ फील्ड में उतरकर काम करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक के दौरान पुलिस कमिश्नर ने जोनवार पुलिस कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि आदतन अपराधियों, असामाजिक तत्वों और बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक और बाउंड-ओवर की कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाए। गंभीर अपराधों में संलिप्त शातिर बदमाशों की जमानत निरस्तीकरण के लिए प्रभावी कानूनी कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही, शहर को नशामुक्त बनाने के लिए अवैध मादक पदार्थों के कारोबारियों के पूरे नेटवर्क को नेस्तनाबूद करने के निर्देश दिए गए हैं। एनडीपीएस एक्ट के आदतन अपराधियों पर पैनी नजर रखने और संवेदनशील क्षेत्रों, बदमाशों के हॉटस्पॉट तथा शैडो एरिया में ड्रोन पेट्रोलिंग व सघन चेकिंग अभियान चलाने पर जोर दिया गया है।



डिजिटल पुलिसिंग और त्वरित न्याय की पहल

अपराध अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए कमिश्नर ने सीसीटीएनएस के तहत ई-साक्ष्य, ई-विवेचना और ई-समंस या वारंट की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। थानों पर ई-एफआईआर और जीरो-एफआईआर के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने तथा आम जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, बीट और माइक्रो बीट पुलिसिंग को प्रभावी बनाकर जमीनी स्तर पर पुलिस की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया है।

आगामी दीपावली पर्व और त्योहारी सीजन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि पटाखा बाजारों और दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाए। सुरक्षा मानक अनिवार्य प्रत्येक पटाखा दुकान पर फायर एक्सटिंग्विशर, रेत और पानी की बाल्टियों/ड्रमों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अवैध भंडारण पर कार्रवाई घनी आबादी या रहवासी क्षेत्रों में पटाखों का अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंधित सामग्रियों पर रोक- कार्बाइड गन जैसी प्रतिबंधित और अवैध विस्फोटक सामग्री के विक्रय तथा भंडारण पर कड़ी नजर रखी जाएगी। भीड़भाड़ वाले बाजारों में पहरा- त्योहारों के दौरान प्रमुख बाजारों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस की सतत गश्त व प्रभावी उपस्थिति रहेगी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

दंपती को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

आपसी सहमति से तलाक के लिए 6 महीने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा

इंदौर।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने आपसी सहमति से तलाक के एक मामले में बड़ा आदेश देते हुए इंदौर के एक दंपती को राहत दी है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि आपसी सहमति से तलाक के लिए हर मामले में 6 महीने का कूलिंग पीरियड इंतजार करना जरूरी नहीं है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने विदेश में रह रहे पति की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कराने की भी अनुमति प्रदान की है।

इंदौर निवासी मयंक अग्रवाल और रोशनी मित्तल ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13-बी के तहत आपसी सहमति से तलाक लेने के लिए इंदौर फैमिली कोर्ट कुटुंब न्यायालय में आवेदन दाखिल किया था। फैमिली कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद 6 महीने की प्रतीक्षा अवधि तय करते हुए अगली तारीख 7 सितंबर तय कर दी थी।

पति मयंक की ओर से 6 महीने की प्रतीक्षा अवधि माफ करने और दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर मामले का तुरंत निराकरण करने की गुहार लगाई गई थी। हालांकि, आवेदन पर फैसला न होने पर विदेश में रह रहे पति मयंक ने अपने पिता उमाशंकर अग्रवाल को विशेष मुख्तार बनाकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट के जस्टिस संदीप एन. भट्ट की पीठ में हुई। याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए वरिष्ठ एडवोकेट अभिनव धनोडकर ने हाईकोर्ट के पूर्व के निर्णयों और सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का हवाला दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने माना कि यदि पति-पत्नी के बीच सुलह की कोई संभावना नहीं बची है, गुजारा भत्ते व बच्चों की देखरेख जैसे मुद्दों का निराकरण हो चुका है, तो 6 महीने तक इंतजार कराने से पक्षकारों की परेशानी ही बढ़ेगी। पति के विदेश में रहने के कारण हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट को निर्देश दिया कि उचित परिस्थितियों में पक्षकारों की व्यक्तिगत मौजूदगी के बिना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई पूरी की जा सकती है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर निकटतम परिजनों (जैसे माता-पिता) के जरिए प्रतिनिधित्व की अनुमति भी दी जा सकती है।

मुसाखेड़ी बाजार में दिनदहाड़े सनसनीखेज वारदात

भतीजी के साथ खरीदारी करने गई महिला के गले से मंगलसूत्र और पर्स पार

इंदौर।

शहर के मुसाखेड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए चोरों के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसकी एक बानगी दिनदहाड़े सामने आई है। बाजार में अपनी भतीजी के साथ खरीदारी करने गई एक महिला को शातिर बदमाशों ने अपना शिकार बना लिया। शातिर अंदाज में ठगी और बातों में उलझाकर आरोपियों ने महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र और पर्स गायब कर दिया। इस घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

आजाद नगर पुलिस थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक, फरियादी कविता 38 वर्ष, जो कि सतीश कुशवाहा की पत्नी हैं और उमरिया खुर्द की रहने वाली हैं, ने चोरी की इस वारदात की शिकायत दर्ज कराई है। घटना बीते दिन यानी 22 अक्टूबर की दोपहर करीब 1:10 बजे की है। कविता अपनी भतीजी दिव्यांशी कुशवाहा के साथ किसी काम से मुसाखेड़ी बाजार गई थीं। बाजार में भीड़भाड़ का फायदा उठाकर दो अज्ञात युवक उनके पास पहुंचे और किसी पते के बारे में पूछताछ करने लगे। फरियादी महिला ने जब उन युवकों को पता बताने से मना कर दिया, तो दोनों युवक लगातार उनका पीछा करने लगे। कुछ दूर तक साथ चलने के बाद वे अचानक नजरों से ओझल हो गए। जब कुछ देर बाद कविता और उनकी भतीजी ने खुद को संभाला और ध्यान दिया, तो उनके होश उड़ गए— महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र और उनके पास मौजूद पर्स गायब था। पीड़ित महिला के अनुसार, दोनों अज्ञात बदमाश बड़ी सफाई से उनके गले का मंगलसूत्र और नकदी-दस्तावेजों से भरा पर्स चुराकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस चोरी की घटना की शिकायत मिलते ही आजाद नगर पुलिस हरकत में आ गई है।

स्वागत मंच लगाकर किया विसर्जन चल समारोह का स्वागत

देवास।

कुमावत महासंघ, देवास द्वारा नौ दिवसीय नवदुर्गा उत्सव के समापन के पश्चात निकाले गए नवदुर्गा प्रतिमा विसर्जन चल समारोह का स्वागत मंच लगाकर भव्य स्वागत किया गया। युवा समाजसेवी गौरव कुमावत ने बताया कि चल समारोह के दौरान कुमावत समाज द्वारा मां नवदुर्गा की प्रतिमाओं एवं आकर्षक झांकियों पर पुष्प पंखुड़ियां बरसाकर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर गणेश उत्सव समितियों के अध्यक्षों, संयोजकों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय समाजसेवियों का अंगवस्त्र पहनाकर सम्मान किया। स्वागत का यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा। स्वागत समारोह में खेड़ापति हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष सहित



भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, जिला महामंत्री राजेश यादव, सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, पूर्व महापौर शरद पाचुनकर, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज राजानी, वरिष्ठ पत्रकार एवं सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों का स्वागत-सम्मान किया।

5 करोड़ रुपये के नोटों व आभूषणों से सजेगा योगमाया महालक्ष्मी मंदिर

देवास।

प्रतिवर्ष रतलाम शहर में स्थित प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर में भक्तों के सहयोग से मंदिर को दीपावली के अवसर पर करोड़ों रुपयों के नोट से सजाया जाता है। उसी तर्ज पर गत वर्ष से देवास के मोती बंगला शिवाजी नगर में स्थित योगमाया महालक्ष्मी मंदिर में पांच दिवसीय भव्य आयोजन की शुरुआत की गई थी। गत वर्ष इस आयोजन में 51 लाख



का लक्ष्य रखा गया था, किंतु भक्तों ने मां योगमाया के प्रति अपनी प्रगाढ़ आस्था को प्रदर्शित करते हुए करीब 1 लाख 35 लाख रुपये के नोट आयोजन समिति तक पहुंचाए थे। योगमाया महालक्ष्मी पारमार्थित न्यास के अध्यक्ष विमल शर्मा ने बताया कि मोती बंगला शिवाजी नगर में स्थित योगमाया महालक्ष्मी मंदिर में दीपावली के अवसर पर विभिन्न प्रकार के आयोजन होते है। गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी भक्तों के सहयोग से मंदिर को रतलाम के महालक्ष्मी मंदिर की तर्ज पर नोटों से सजाया जाएगा। इसके लिए उज्जैन और रतलाम के कलाकार देवास आकर मंदिर सजावट की बागडोर संभालेंगे। शर्मा ने बताया कि इस बार भक्तों की आस्था को देखते हुए करीब 5 करोड़ रुपये के नोट व आभूषणों का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए शहर के भक्तों के सहयोग से प्राप्त होना प्रारंभ हो गई है। अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि मंदिर में धनतेरस से भाई दूज तक सजावट रहेगी। अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि इस दिव्य अनुष्ठान में सम्मिलित होने के लिए जो कोई भी भक्त इच्छुक है, वे अध्यक्ष या मंदिर समिति के सदस्यों से संपर्क कर सकता है। भक्त द्वारा दी गई राशि अनुष्ठान पूर्ण होने पर भाई दूज के दिन कुबेर पोटली के साथ पुनः लौटाई जाएगी।

जनविश्वास अभियान के तहत समाधान शिविर संपन्न

जनसमस्याओं के निराकरण और ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : विधायक

नीमच।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को ग्राम सावन में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विधायक दिलीप सिंह परिहार एवं कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार समय-सीमा में निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधायक दिलीप सिंह परिहार ने



कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण करने के लिए गांवों में जनचौपाल एवं समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी सीधे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें, इसी उद्देश्य से प्रशासन गांवों तक पहुंच रहा है। उन्होंने पात्र हितग्राहियों से किसान सम्मान निधि, लाड़ली बहना योजना, पेंशन सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। विधायक परिहार ने ग्राम सावन में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए रिंग रोड, सामुदायिक भवन, डोम निर्माण एवं बीस भुजा माता मंदिर के जीर्णोद्धार संबंधी कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सावन से भादवामाता तक सड़क निर्माण से श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिली है। उन्होंने कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए किसानों एवं ग्रामीणों से जल संरक्षण करने तथा पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की। साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

प्लेसमेंट हेतु वर्चुअल इंटरव्यू में 45 विद्यार्थियों ने लिया भाग

आगर मालवा। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, आगर में विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कल सत्यम ऑटो कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, हलोल, वडोदरा (गुजरात) के लिए वर्चुअल प्लेसमेंट इंटरव्यू का आयोजन किया गया। इस चयन प्रक्रिया में महाविद्यालय की विभिन्न इंजीनियरिंग शाखाओं के कुल 45 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इंटरव्यू में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन तथा सिविल इंजीनियरिंग शाखाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कंपनी की ओर से एचआर प्रतिनिधि ने वर्चुअल माध्यम से अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया तथा उनकी तकनीकी समझ, विषयगत ज्ञान, संवाद कौशल और व्यावसायिक दक्षता का आकलन किया।



चल समारोह में सांसद ने घुमाई तलवार, भक्तों को बांटी प्रसादी

देवास।

सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी भाजपा कार्यकर्ताओं सहित मां दुर्गा के विराट विसर्जन चल समारोह में सम्मलित हुए।

पूरे मार्ग पर विविध समितियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा लगाए गए स्वागत मंचों पर पंहुचे। उत्सव प्रियता, कार्यकर्ताओं एवं समाज में घुल मिल जाने के अपने सनातनी स्वभावव्श, सहजता के साथ अखाड़ा कलाकारों के साथ सांसद सोलंकी ने तलवार भी घुमाई। स्वागत मंचों से मां के भक्तों को महाप्रसादी वितरित की। लोकसभा मीडिया प्रभारी शेखर कौशल ने जानकारी देते हुए बताया कि सांसद श्री सोलंकी ने शारदीय नवरात्रि महोत्सव के दुर्गा विसर्जन चल समारोह में दर्शायी गई मां भारती की झांकी, बेटियों को आत्मरक्षार्थ सक्षम बनाने, लव जेहाद, देश व समाज विरोधी गतिविधियों एवं कुप्रथाओं के विरुद्ध चल समारोह में सम्मलित झांकियों के साथ लहराये गये पोस्टर्स पर कहा कि जब तक सनातन है तब तक भारत का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता।

नवरात्रि पर्व के बाद दान पेटियां खोली

32 लाख चढ़ावे के साथ मिली मनोकामनाओं की पर्चियां

देवास।

सुप्रसिद्ध माता टेकरी पर नवरात्रि के पावन पर्व के बाद दान पेटियां शुक्रवार को खोली गईं। भक्तों ने मां दुर्गा के दरबार में न सिर्फ अपनी निजी खुशियों और मन्नतों के लिए पर्चियां डालीं, बल्कि समाज की गंभीर समस्याओं को लेकर भी माता के चरणों में अर्जियां लगाईं। मंदिर की दान पेटियों से निकली अर्जियों में भक्तों की दैनिक जीवन की चिंताएं साफ दिखाई दीं। एक भक्त ने प्राइवेट सेक्टर में 10 से 12 घंटे के लंबे काम के घंटों और कम वेतन पर दर्द बयां करते हुए ड्यूटी का समय 7 घंटे करने की प्रार्थना की। वहीं एक अन्य भक्त ने बेटियों की सुरक्षा के लिए कठोर कानून बनाने की मांग की। लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए भी भक्तों ने माता रानी से सभी की रक्षा करने की मन्नत मांगी। सामाजिक सरोकारों के साथ-साथ दान पेटियों में निजी जीवन से जुड़ी भावुक अर्जियां भी निकलीं। एक मां ने अपने बेटे की आंखों की रोशनी वापस लौटने की गुहार लगाई तो किसी ने



बेटे की परीक्षा में सफलता की कामना की। वहीं कई भक्तों ने शीघ्र विवाह, पति की नौकरी और गोद भराई की मनोकामना लेकर पर्चियां डालीं। टेकरी प्रभारी और नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर और हरिओम ठाकुर की मौजूदगी में माता टेकरी स्थित दोनों मंदिरों की 21 से अधिक दान पेटियां खोली गईं। दान पेटियों में लाखों रुपए नकद, चांदी के आभूषण और नेपाली मुद्रा प्राप्त हुई है। मंदिर समिति के अनुसार शुक्रवार सुबह 11 बजे से शुरू हुई दान राशि की गिनती देर रात तक जारी रही, शाम 7 बजे तक 32 लाख रुपए के गिने जा चुके हैं।

जनपद पंचायत के विभिन्न ग्रामों में कार्यों का निरीक्षण

शाजापुर। मुख्यमंत्री जनविश्वास विश्वास अभियान 2026 के तहत आज कलेक्टर डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े ने ग्राम रेहली, जहानपुर, पलसावदसोन एवं हनोती का निरीक्षण भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं, जनकल्याणकारी सेवाओं एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े ने ग्राम पंचायत रेहली में नर्मदा कालिसिंध परियोजना एवं मास्टर बैलेंसिंग रिजर्वायर वायर, ग्राम जहानपुर में जल शुद्धिकरण संयंत्र, ग्राम पंचायत पलसावदसोन में जल निगम अंतर्गत इंटकवेल व ग्राम हनोती में जल निगम अंतर्गत उच्च स्तरीय पेयजल टंकी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित ऐजेंसी को गुणवत्ता के साथ एवं निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि उक्त कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें, जिससे किसानों एवं नागरिकों को समय पर इन योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं करें। कलेक्टर डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े द्वारा ग्राम हनोती में रोड रेस्टोरेशन कार्य का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने जलनिगम के अधिकारी को निर्देश दिये कि रोड रेस्टोरेशन कार्य समय पर एवं गुणवत्ता के साथ करें। जलजीवन मिशन अंतर्गत पेयजल पाईपलाइन को व्यवस्थित करने के भी निर्देश दिये।

916 कोटवार हड़ताल पर, मंडूक पुष्कर पर दिया जा रहा धरना

मांगें पूरी नहीं होने पर 31 अक्टूबर से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

देवास।

मध्यप्रदेश आजाद कोटवार कर्मचारी संघ, भोपाल के आह्वान पर देवास जिले के समस्त कोटवार अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। जिले के 916 कोटवार जिला मुख्यालय स्थित एबी रोड के मंडूक पुष्कर पर धरना देकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद कर रहे हैं। शुक्रवार को हड़ताल का दूसरा दिन था।

संघ जिलाध्यक्ष अम्बाराम मालवीय ने बताया कि प्रदेशव्यापी आह्वान के तहत देवास जिले के 916 कोटवार हड़ताल पर हैं। कोटवार लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। कोटवारों की प्रमुख मांग है कि उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा देकर नियमित किया जाए। इसके साथ ही 10 वर्ष की सेवा



28 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट तक निकालेंगे रैली,

पूर्ण करने वाले कोटवारों को पेंशन का लाभ दिया जाए, कोटवार वर्दी की राशि पूर्व की तरह कोटवारों के खाते के माध्यम से भुगतान करने एवं कोटवार घटिया वर्दी घोटाले की जांच उच्च एजेंसी से करवा कर दोषी ठेकेदारों/कर्मचारियों को दंडित किया जाए तथा सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। कोटवारों ने अपनी भूमि पर मालिकाना हक देने, वर्दी के लिए निर्धारित राशि समय पर उपलब्ध कराने तथा ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग भी उठाई है। जिलाध्यक्ष मालवीय ने बताया कि आगामी 28 अक्टूबर को धरना स्थल मंडूक पुष्कर से रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इसके बाद भी यदि शासन द्वारा मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो 30 अक्टूबर को भोपाल में प्रदेशस्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा।

मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

नीमच। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने सावन स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों को समय पर गुणवतापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर चंद्रा ने स्वास्थ्य केंद्र के ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण केंद्र एवं प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने आयुष्मान कार्ड एवं जन आरोग्य से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक बनाने की मांग

वनवासी कल्याण परिषद ने सौंपा ज्ञापन, बलिदान का इतिहास स्कूली किताबों में हो शामिल

नीमच।

वनवासी कल्याण परिषद ने गुरुवार को नीमच कलेक्ट्रेट में प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने और इसके इतिहास को स्कूली किताबों में शामिल करने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम की 30 सितंबर 2026 की बैठक में पारित हुआ था। परिषद के अनुसार, 17 नवंबर 1913 को संत गोविंद गुरु के 'भगत आंदोलन' को दबाने के लिए अंग्रेजों ने मानगढ़ धाम पर

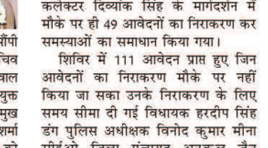


गोलीबारी की थी। इसमें 1500 से ज्यादा जनजातीय लोग शहीद हुए थे।

यह घटना जलियांवाला बाग हत्याकांड से छह साल पहले हुई थी, पर इसे मुख्य इतिहास में जगह नहीं मिली। यह आंदोलन भील समाज ने अपनी पहचान और जबरन धर्म परिवर्तन के विरोध में चलाया था।

महिला कांग्रेस ने ज्ञापन सौंपा, अंकिता भंडारी हत्याकांड के की निष्पक्ष जांच की मांग

देवास। महिला कांग्रेस जिला देवास ग्रामीण द्वारा जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष श्रुति बघेल के नेतृत्व में उत्तराखंड की बेटी स्व. अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी कनेक्शन की निष्पक्ष जांच कराने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति महोदया के नाम कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपा। सोशल मीडिया के राहुल सिंह ठाकुर खोखरिया ने बताया कि इस दौरान भोपाल चौराहा स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समीप मोमबत्तियां जलाकर धरना दिया गया तथा मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग उठाई गई। ज्ञापन में बताया कि उत्तराखंड की बेटी स्व. अंकिता भंडारी की हत्या का मामला पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोरने वाला है। मामले में दोषियों को सजा मिलने के बावजूद कथित वीआईपी कनेक्शन को लेकर उठ रहे सवालों और पीड़ित परिवार द्वारा लगातार न्याय की मांग किए जाने के चलते प्रकरण से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। न्याय व्यवस्था में आम नागरिकों का विश्वास बनाए रखने के लिए जरूरी है कि मामले से जुड़े प्रत्येक तथ्य की निष्पक्षता से जांच हो तथा किसी भी व्यक्ति को उसके पद, प्रभाव या राजनीतिक संबंधों के आधार पर संरक्षण नहीं मिले। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े कथित वीआईपी कनेक्शन की स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराई जाए। इस दौरान साधना प्रजापति, मीणा अली फानी, मेघा चौहान, शाहिद खान, समीर शाह, कृष्णा बाई, प्रीति विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

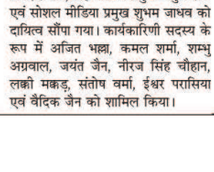


दिलीप जाधव अध्यक्ष और बंटी मांगरोलिया बने सचिव

संरक्षक एवं सांसद की उपस्थिति में सर्वसम्मति से हुआ निर्णय

देवास।

संस्था देववासिनी, देवास की बैठक संस्था के संरक्षक एवं देवास-शाजापुर सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में संस्था की गतिविधियों, संगठन की मजबूती एवं समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से दिलीप जाधव को संस्था का अध्यक्ष एवं बंटी मांगरोलिया को सचिव नियुक्त किया। बैठक में सचिव पद पर अपना कार्यकाल पूर्ण करने वाले महेश चौहान के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही नवनियुक्त अध्यक्ष दिलीप जाधव एवं सचिव बंटी मांगरोलिया का अभिनंदन कर उन्हें नवीन दायित्वों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई। संस्था की नवीन कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में रितु सवनेर, विकास



सांगते एवं शेखर कौशल को जिम्मेदारी सौंपी गई। सह सचिव पंकज सोनी, सह सचिव मिथिलेश सोनी, कोषाध्यक्ष वरुण अग्रवाल एवं सह कोषाध्यक्ष श्रवणसिंह पंवार नियुक्त किए गए। इसी प्रकार मीडिया प्रमुख जगदीश सेन, सह मीडिया प्रमुख अनुज शर्मा एवं सोशल मीडिया प्रमुख शुभम जाधव को दायित्व सौंपा गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अजित भल्ला, कमल शर्मा, शम्भु अग्रवाल, जयंत जैन, नीरज सिंह चौहान, लक्की मक्कड़, संतोष वर्मा, ईश्वर परासिया एवं वैदिक जैन को शामिल किया।

जन संवाद शिविर में 49 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया

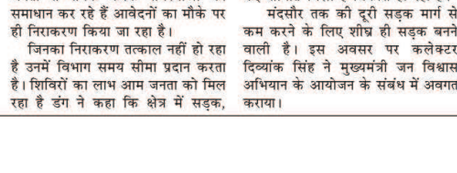
अधिकारी गांव में आकर समस्याओं का समाधान कर रहे हैं-विधायक

मंदसौर।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत विकासखंड गरोठ के ग्राम तोला खेड़ी में जनसंवाद शिविर संपन्न हुआ इस दौरान कलेक्टर दिव्यांक सिंह के मार्गदर्शन में मौके पर ही 49 आवेदनों का निराकरण कर समस्याओं का समाधान किया गया।

शिविर में 111 आवेदन प्राप्त हुए जिन आवेदनों का निराकरण मौके पर नहीं किया जा सका उनके निराकरण के लिए समय सीमा दी गई विधायक हरदीप सिंह डंग पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन एसडीएम राहुल चौहान जिला स्तरीय अधिकारी तथा ग्रामीण जन उपस्थित थे।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक हरदीप सिंह डंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जन-



विश्वास अभियान चलाया जा रहा है अभियान में अधिकारी गांव गांव पहुंचकर जनता से संपर्क करके समस्याओं का समाधान कर रहे हैं आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है।

जिनका निराकरण तत्काल नहीं हो रहा है उनमें विभाग समय सीमा प्रदान करता है। शिविरों का लाभ आम जनता को मिल रहा है डंग ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, पुलिया, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास सिंचाई सुविधा, नल से जल जैसी कई सौगातें मिली है विकास हो रहा है।

मंदसौर तक की दूरी सड़क मार्ग से कम करने के लिए शीघ्र ही सड़क बनने वाली है। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के आयोजन के संबंध में अवगत कराया।

जनविश्वास अभियान कर रहा है अपनी सार्थकता सिद्ध

गरोठ क्षेत्र में शुक्रवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अब तक का 11 वां अभियान था मंदसौर जिले में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अपनी सार्थकता सिद्ध कर रहा है। अधिकारी गांव में पहुंचकर लोगों से रूबरू होकर संवाद कर रहे हैं। उनकी समस्याओं का हल कर रहे हैं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की भी शिकायतों का तेजी से निराकरण हो रहा है। शुक्रवार 23 अक्टूबर को फील्ड में पहुंचे अधिकारियों से कलेक्टर द्वारा फीडबैक लिया गया सीईओ अनुकूल जैन ने बताया कि उनके द्वारा भ्रमण किए गए गांव पिछला में सामुदायिक भवन की आवश्यकता पाही गई ग्रामीणों की मांग दी थी अतः शीघ्र ही वहां 15 लख रुपए का सामुदायिक भवन निर्मित कराया जाएगा।

»न्यूज ब्रीफ

मिजोरम के राज्यपाल पहुंचे बाबा की शरण मे



उज्जैन। पूर्व थल सेनाध्यक्ष एवं मिजोरम के राज्यपाल वीके सिंह शुक्रवार की सुबह बाबा महाकाल की शरण में पहुंच गए। भस्मार्ती में शामिल हुए सिंह ने कहा कि उन्होंने देश की समृद्धि की कामना की है।

204 दिन में लिए 279 सैंपल, इनमें से 50 की आई अब तक रिपोर्ट, उसमें से 16 फेल



उज्जैन। जिले में डेयरी सरस, एसआरएआई मिल्क क्रीम, रत्नागिरी काऊ, नंदकृष्णा और नमस्ते इंडिया ब्रांड का घी अमानक की श्रेणी में है, क्योंकि जांच में इनके सैंपल फेल हुए हैं। इनमें से दो की बिक्री प्रतिबंधित की गई है। 1 अप्रैल से 21 अक्टूबर तक (204 दिन) में फूड विभाग ने 279 सैंपल लिए। 50 की रिपोर्ट में 16 सैंपल फेल हुए हैं। गुरुवार को हुई जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में फूड विभाग के अफसरों ने जिला पंचायत सीईओ श्रेयाश कुमट को अमानक मामलों में होने वाली कार्रवाई की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि अमानक सामग्री के मामलों में दो तरह से कार्रवाई की जाती है। कुछ मामले कोर्ट में पेश किया जाते हैं और बाकी एडीएम के सामने। कोर्ट में अभी 46 प्रकरण विचाराधीन हैं, जबकि एडीएम कोर्ट में 285। एडीएम कोर्ट से अब तक 16.56 लाख रुपए की पैनाल्टी लगाई जा चुकी है। सैंपल अमानक मिलने पर डेयरी सरस घी और नमस्ते इंडिया काऊ घी की बिक्री जिले में प्रतिबंधित की गई है।

सिंहस्थ में महिला पुलिसकर्मी ड्रोन से रखेंगी निगरानी



उज्जैन। इस बार का सिंहस्थ हाईटेक होगा। ड्रोन से पूरे सिंहस्थ क्षेत्र में निगरानी रखी जाएगी। खास बात यह है कि महिला पुलिसकर्मी यह काम करेंगी। गुरुवार से महिलाकर्मियों का ड्रोन प्रशिक्षण शुरू हुआ। पहले चरण में दस महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। ड्रोन प्रशिक्षण के लिए एक खास विंग बनाई गई है। यह प्रशिक्षण फोर इस्टिट्यूट ऑफ ड्रोन टेक्नालॉजी एंड रिसर्च में चल रहा है। इसके तहत महिलाओं को फिलहाल सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बाद में उन्हें प्रैक्टिकल भी कराया जाएगा। ड्रोन कैसे चलाया जाता है। इसके फंक्शन कैसे काम करते हैं। ड्रोन चलाने के लिए कौन-कौनसी जानकारी होनी चाहिए। इसे चलाते समय वया-क्या सावधानी रखनी चाहिए। मौजूदा पुलिसिंग में ड्रोन की भूमिका क्या है, यह किसी हद तक मददगार है। कानून-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी, ट्रैफिक मैनेजमेंट और इमरजेंसी में यह किस तरह प्रभावशाली है। ड्रोन तकनीक सीख कर कैसे अपनी क्षमता में बढ़ोतरी की जा सकती है।

ई-टोकन से कालाबाजारी पर रोक लगी

उज्जैन। मध्य प्रदेश सरकार की उर्वरक वितरण में ई-टोकन व्यवस्था से किसान खुश है, और किसान चाहते है ई टोकन व्यवस्था ऐसी ही चलती रहे। किसानों को बिना लाइन के बिना कालाबाजारी के सुगमता से उर्वरक प्राप्त हो रहा है। ग्राम आलमपुर उडाना के ध्रुवनारायण यह बात कहते हुए उम्मीद करते है कि यह व्यवस्था सालों साल जारी रहेगी। ई-टोकन की व्यवस्था के लिए वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद करते है।

आज शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल : 'नदिया के पार से कांतारा की डोर' होगा खास आकर्षण

उज्जैन।

महाकाल की नगरी में अब लोक संस्कृति और आधुनिक सिनेमा का संगम देखने को मिलेगा। लोक परंपराओं, जनजातीय जीवन और बदलते भारत की कहानियां बड़े पर्दे पर नए अंदाज में गूंजेंगी। शहर में 24 और 25 अक्टूबर को उज्जैनी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन होने जा रहा है। दो दिवसीय फेस्टिवल में देशभर के फिल्मकार अपनी फिल्मों के जरिए समाज, संस्कृति और बदलते दौर की कहानियां पेश करेंगे। आयोजन में पारंपरिक लोक जीवन से लेकर आधुनिक तकनीक पर आधारित फिल्म निर्माण तक, कई तरह की रचनात्मक विधाओं को मंच दिया जाएगा।

लोक और जनजातीय संस्कृति की कहानियों को मिलेगा मंच



फेस्टिवल के संयोजक आदित्य सेंगर के अनुसार, 'नदिया के पार से कांतारा की डोर' श्रेणी में लोक एवं जनजातीय संस्कृति पर आधारित फिल्मों को शामिल किया जाएगा। इनमें जनजातीय समुदायों की जीवनशैली, लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प, भाषाएं और त्योहार जैसे विषय शामिल होंगे। इसके अलावा प्रकृति और जमीन से जनजातीय समाज के जुड़ाव तथा बदलते समय के साथ उनकी आकांक्षाओं को भी फिल्मों के माध्यम से सामने लाया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य उन समुदायों और परंपराओं की कहानियों को मुख्यधारा तक पहुंचाना है, जिन्हें मनोरंजन जगत में अक्सर पर्याप्त जगह नहीं मिलती। फिल्मकारों को स्थानीय संस्कृति और समाज के अनदेखे पहलुओं को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

10 श्रेणियों में दिखाई देंगी फिल्में विश्व संवाद केंद्र मालवा और भारतीय चित्र साधना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल में फिल्मों को 10 अलग-अलग श्रेणियों में आमंत्रित किया गया है। फेस्टिवल के अध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य अलग-अलग विषयों और फिल्म निर्माण की विविध विधाओं को प्रोत्साहित करना है। इस बार सबसे खास आकर्षण 'नदिया के पार से कांतारा की डोर' श्रेणी होगी, जिसमें लोक एवं जनजातीय संस्कृति से जुड़ी कहानियों को प्रमुखता दी जाएगी।

शॉर्ट फिल्म से एआई फिल्म तक, नए प्रारूपों को भी मौका- विश्व संवाद केंद्र के सचिव प्रणव पेठनकर ने बताया कि फेस्टिवल केवल शॉर्ट फिल्मों तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें एआई फिल्म, विज्ञापन फिल्म और माइक्रो ड्रामा जैसे आधुनिक प्रारूपों में भी प्रविष्टियां आमंत्रित की जा रही हैं। इससे पारंपरिक फिल्म निर्माण के साथ नई तकनीकों और कहानी कहने के बदलते तरीकों को भी मंच मिलेगा।

युवाओं के लिए होगी विशेष मास्टर क्लास- फेस्टिवल में नए रचनाकारों और फिल्म निर्माण के विद्यार्थियों के लिए विशेष मास्टर क्लास भी आयोजित की जाएगी। इसके जरिए प्रतिभागियों को फिल्म मेकिंग की बारीकियां समझने और अपने कौशल को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा।

मामला नागझिरी में पुलिस टीम पर हमले का

पुलिस पर हमला करने वाले का निकाला जुलूस



उज्जैन।

ग्राम नागझिरी में पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी सरदार सिंह बंजारा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी का जुलूस निकाला। इस दौरान पुलिसकर्मी उसे पाइप से पीटते भी नजर आए। आठ दिन पहले कंचनबाई पिता भावसिंह बंजारा ने पड़ोसी सरदार सिंह के खिलाफ उन्हेल थाने में मारपीट और गाली-गलौज की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने सरदार पिता गब्बर बंजारा को पूछताछ और शिकायत के निराकरण के लिए थाने बुलाया था, लेकिन वह आठ दिन तक थाने नहीं पहुंचा। पुलिस ने मामले में अब तक दो महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने तीनों को जेल भेज दिया है। शुक्रवार को मुख्य आरोपी सरदार सिंह बंजारा की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसका जुलूस निकाला। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

अवैध वसूली करने वाले बदमाशों का भी निकाला जुलूस



महाकाल थाना क्षेत्र में अड़ीबाजी कर अवैध रुपए मांगने और मारपीट करने के आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर मौका मुआयना कराया। इस दौरान उसका जुलूस भी निकाला गया। आरोपी से कान पकड़कर उठक-बैठक लगवाई गई और कान पकड़कर चलवाया भी गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पुलिस के अनुसार, नामदारपुरा निवासी फरियादी मुकेश जटिया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि रवि पिता ओमप्रकाश वर्मा निवासी अपंग आश्रम के पास, महाकाल रोड ने उससे अवैध धन की मांग की। आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर महाकाल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 119(1), 115(2), 296(ब) और 351(3) के तहत केस दर्ज किया। आरोपी रवि वर्मा आदतन अपराधी है। वह पहले कोट मोहल्ला के पास रहता था। क्षेत्र में चौड़ीकरण के दौरान उसका मकान टूट गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के समय आरोपी शराब के नशे में था और फरियादी के साथ अड़ीबाजी करने के साथ मारपीट भी कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ कुल 17 अपराधों का रिकॉर्ड है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की गई।

महाकाल मंदिर की सुरक्षा परखने उतरे एनएसजी के 150 कमांडो

उज्जैन।

महाकालेश्वर मंदिर परिसर में एनएसजी मुंबई की टीम ने देर रात मॉक ड्रिल की। करीब 150 कमांडो ने बुलेटप्रूफ वाहनों के साथ अभ्यास किया। इसका उद्देश्य सुरक्षा बलों की तत्परता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और एजेंसियों के बीच समन्वय परखना था।

रात 2 बजे तक चला मॉक ड्रिल

श्री महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड मुंबई की टीम ने देर रात मंदिर परिसर में मॉक ड्रिल की। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का सजीव अभ्यास किया गया। एडिशनल एसपी आलोक शर्मा ने बताया कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा बलों की तत्परता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच आपसी तालमेल को परखना था।



संभागायुक्त ने वृंदावन ग्राम तनोड़िया में पशुपालकों से किया संवाद

नस्ल सुधार हेतु सेक्स सॉर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान बढ़ाने के दिए निर्देश

उज्जैन।

उज्जैन संभाग के आगर-मालवा जिले में वृंदावन ग्राम योजना के तहत चयनित वृंदावन ग्राम तनोड़िया में शुक्रवार को पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से पशुपालक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में उज्जैन संभाग के संभागायुक्त आशीष सिंह, उज्जैन रेंज के एडीजीपी राकेश कुमार गुप्ता, कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीणा एवं पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी मौजूद थे।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने उपस्थित पशुपालकों से एक-एक कर संवाद कर ग्राम में पशुपालकों की संख्या, देशी नस्ल के गोवंश की संख्या, दुग्ध उत्पादन, दुग्ध सहकारी समिति के गठन एवं दुग्ध संग्रहण आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उपसंचालक पशुपालन को निर्देश दिए कि वृंदावन ग्राम तनोड़िया में गोवंश में नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुपालकों को प्रेरित कर सेक्स सॉर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा दें। पशुपालकों की मांग पर उन्होंने एसडीएम एवं तहसीलदार को गोचर भूमि से अतिक्रमण हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश भी दिए। संभागायुक्त ने पशुपालकों से गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के तहत अधिक से अधिक देशी नस्ल के गोवंश का पंजीयन कराकर योजना में सम्मिलित होने का आह्वान किया। नवीन ग्रामीण थाने का प्रस्ताव भेजने के निर्देश एडीजीपी राकेश कुमार गुप्ता ने ग्रामीणों की मांग पर तनोड़िया में परीक्षण कराकर नवीन ग्रामीण पुलिस थाना स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश पुलिस अधीक्षक को दिए। साथ ही सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले वॉलिंटियर्स एवं ग्रामीणों को घायलों को तत्काल सहायता पहुंचाने एवं उचित तरीके से चिकित्सालय पहुंचाने के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण ग्राम तनोड़िया में प्रदान करने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीणा ने मुख्यमंत्री गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से देशी नस्ल की गायों का पालन करने एवं पुरस्कार योजना में भाग लेने का आह्वान किया।उपसंचालक पशुपालन डॉ. महेश जारोलिया ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित डॉ. आंबेडकर कामधेनु योजना, डेयरी प्लस योजना एवं आचार्य विद्यासागर योजना की जानकारी देते हुए लाभ लेने की प्रक्रिया बताई। सांची दुग्ध संघ उज्जैन के अधिकारियों ने दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु संचालित योजनाओं, उपलब्ध सुविधाओं एवं समिति गठन से पशुपालकों को होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी।

आसाराम बापू की तबीयत बिगड़ी

उज्जैन। नाबालिग से बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम बापू की शुक्रवार को तबीयत खराब हो गई। सीने में दर्द की शिकायत के चलते वे धन्वंतरि आयुर्वेदिक चिकित्सालय में पंचकर्म कराने नहीं पहुंचे। उन्होंने अंकपात रोड स्थित आश्रम में आराम किया। स्वास्थ्य में सुधार होने पर शनिवार को दोबारा अस्पताल जाने की संभावना है। आसाराम 21 अक्टूबर (बुधवार) से उज्जैन में हैं। वे बुधवार और गुरुवार को पंचकर्म कराने के लिए अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन शुक्रवार को नहीं गए। चिकित्सालय के डॉ. निपेंद्र मिश्रा के मुताबिक, आसाराम लंबे समय से सिर और कमर दर्द से परेशान हैं। इसी के इलाज के लिए वे अस्पताल आए थे। उन्हें 14 दिन तक पंचकर्म कराने की सलाह दी गई है।

माधव सेवा न्यास में कर्मचारी पर वीडियो बनाने का आरोप

महिला के बाथरूम में वीडियो बनाते दिखा कर्मचारी श्रद्धालु भक्त ने किया हंगामा, जांच में जुटी पुलिस

उज्जैन।

महाकाल मंदिर के पास स्थित माधव सेवा न्यास के भक्त निवास में ठहरी दिल्ली की एक महिला ने वहां के कर्मचारी पर चोरी-छिपे मोबाइल से वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद महाकाल थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली की महिला गुरुवार को परिजनों के साथ उज्जैन आई थी। वह माधव सेवा न्यास के भक्त निवास की डॉरमेट्री में ठहरी थी। आरोप है कि रात करीब 8 बजे जब महिला बाथरूम में गई, तब वहां के कर्मचारी अनिरुद्ध ने मोबाइल से उसका वीडियो बनाने का प्रयास किया। महिला को आशंका हुई, तो उसने विरोध करते हुए शोर मचाया। इसके बाद कर्मचारी के वहां से भागने



और मोबाइल से वीडियो डिलीट करने का आरोप भी लगाया गया है। घटना के बाद महिला महाकाल थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कर्मचारी से पूछताछ की है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे छह सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि की जा सके। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि महिला ने कर्मचारी पर वीडियो बनाने की आशंका जताई है। युवक से पूछताछ की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। वहीं, न्यास के अध्यक्ष बलराज भट्ट ने बताया कि वे बाहर हैं। उन्हें विवाद और मारपीट की जानकारी मिली है। महिला के साथ कैसी तरह की घटना हुई है, तो यह गंभीर मामला है। वे इसकी जानकारी लेंगे।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर उठे सवाल- माधव सेवा न्यास का भक्त निवास महाकाल मंदिर के नजदीक होने के कारण बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने का एक प्रमुख स्थान है। ऐसे में यहां महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा और निजता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। घटना के आरोपों ने भक्त निवास की निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

साइबर ठगों ने दो लोगों से 3.54 लाख रुपए की साइबर ठगी

उज्जैन।

साइबर ठगों ने दो लोगों से 3 लाख 54 हजार 601 रुपए की धोखाधड़ी कर दी। पहला मामला माधवनगर थाना पुलिस के फ्रीगंज का है। यहां रहने वाले 32 वर्षीय हितेश अखंड जीरो पाइंट ब्रिज के नीचे सागर एक्वरफ्रेश नाम से दुकान संचालित करते हैं। 18 अक्टूबर की सुबह करीब 10 बजे उन्होंने अपने बैंक ऑफ इंडिया, दशहरा मैदान शाखा के खाते का बैलेंस चेक किया तो राशि कम मिली। बैंक हेल्पलाइन पर संपर्क करने पर पता चला कि खाते से 50 हजार और 49 हजार 500 रुपए, यानी कुल 99 हजार 500 रुपए के ट्रांजेक्शन हुए हैं। हितेश ने बैंक को बताया कि उन्होंने ये ट्रांजेक्शन नहीं किए हैं। इसके बाद उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। मामले में राज्य साइबर सेल भोपाल से ई-जीरो एफआईआर प्राप्त होने के बाद माधवनगर पुलिस ने फरियादी को बुलाकर रिपोर्ट दर्ज की।

नानाखेड़ा में 2.55 लाख रुपए की धोखाधड़ी- दूसरा मामला नानाखेड़ा थाना क्षेत्र का है। यहां बसंत विहार निवासी 69 वर्षीय देवेंद्र प्रसाद राय के खाते से अज्ञात व्यक्ति ने 2 लाख 55 हजार 101 रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी की। राज्य साइबर सेल 1930 से नानाखेड़ा पुलिस को ई-एफआईआर प्राप्त हुई। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता ने बताया कि किसी व्यक्ति ने गलत पहचान बताकर उन्हें धोखे में लिया और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उनके खाते से राशि निकाल ली। दोनों मामलों में पुलिस साइबर फ्रॉड से जुड़े बैंक खातों, ट्रांजेक्शन और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है। दोनों मामलों में राज्य साइबर सेल भोपाल से 1930 हेल्पलाइन के जरिए ई-एफआईआर प्राप्त होने के बाद माधवनगर और नानाखेड़ा थाना पुलिस ने शुक्रवार को केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित

कलेक्टर ने कहा- शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार में सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स की भूमिका महत्वपूर्ण

उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप प्रदेशभर में संचालित मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स से संवाद कर उनके कार्यक्षेत्र, अनुभव और गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार, जनजागरूकता बढ़ाने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का उद्देश्य आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर शासन की योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है। आज सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स समाज में जनमत निर्माण, जनजागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी व्यापक स्तर पर आमजन तक पहुंचाई जा सकती है, जिससे पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित हो सकें।कलेक्टर सिंह ने कहा कि उज्जैन की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।



सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स शासन की योजनाओं, विकास कार्यों और जनहितकारी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कोई भी जानकारी साझा करने से पहले उसका तथ्य सत्यापन अवश्य करें। अपुष्ट, भ्रामक अथवा गलत जानकारी का प्रसार न करें और ऐसी सूचनाओं को फैलने से रोकने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की पहुंच व्यापक है, इसलिए इसका उपयोग जनहित, जागरूकता और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देने के लिए किया जाना चाहिए। भ्रामक खबरों और अफवाहों के प्रसार को रोकना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विश्वसनीय तथ्यों पर आधारित जानकारी साझा कर शासन और आमजन के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

स्वास्थ्य परीक्षण में 16 नागरिकों मिला योजनाओं का लाभ

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत उज्जैन अर्बन जोन-5 में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी, जिला उज्जैन द्वारा औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. रघुवंशी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सहजता एवं सुगमता से मिले इस 48 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, आभा आईडी एवं आयुष्मान कार्ड नि:शुल्क बनाए गएमुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर में नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में कुल 48 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही पात्र हितग्राहियों की सुविधा के लिए 5 आभा आईडी तथा 11 आयुष्मान कार्ड नि:शुल्क बनाए गए। इस प्रकार नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण के साथ शासन की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया गया।सीएमएचओ डॉ. विक्रम



रघुवंशी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र नागरिकों तक शासन की योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जाए तथा पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड एवं आभा आईडी बनाने की प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए, जिससे नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त हो। उन्होंने अस्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आमजन को समय पर लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

आम निवेशकों के लिए होंगे 25 प्रतिशत शेयर

मोदी सरकार 4 सरकारी बैंकों में हिस्सेदारी घटाकर 75% करेगी



नई दिल्ली । मोदी सरकार ने चार प्रमुख सरकारी बैंकों सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक में अपनी हिस्सेदारी घटाकर 75 प्रतिशत करने की तैयारी कर ली है। इस पहल के तहत इन बैंकों के 25 प्रतिशत शेयर आम निवेशकों और अन्य शेयरधारकों के लिए उपलब्ध हो सकेंगे। यह महत्वपूर्ण कदम बाजार नियामक सेबी के उस अनिवार्य नियम का पालन करने के लिए उठाया जा रहा है, जिसके अनुसार शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों के लिए कम से कम 25 प्रतिशत शेयर आम जनता के पास होना आवश्यक है।

इन बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी काफी अधिक है। इंडियन ओवरसीज बैंक में सरकार के पास लगभग 92.44 प्रतिशत, यूको बैंक में 90.95 प्रतिशत, पंजाब एंड सिंध बैंक में लगभग 93.85 प्रतिशत और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 81.19 प्रतिशत शेयर हैं। सरकार की योजना है कि अगले एक साल में इन बैंकों में आम निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ाई जाए। इसके लिए बैंक खुद बाजार से पूंजी जुटा सकते हैं, या सरकार भी 'ऑफर फॉर सेल' के जरिए अपने कुछ शेयर बेच सकती है। बैंकों ने वित्त मंत्रालय से इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए एक साल का अतिरिक्त समय मांगा है। बैंकों का मानना है कि मौजूदा बाजार परिस्थितियों में 'क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट' के जरिए 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेचना आसान नहीं होगा।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के काफिले पर हमला

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के काफिले पर हाल ही में यरुशलम में हमला हुआ। यह घटना तब घटी जब वे अपने 77वें जन्मदिन का जश्न मनाने जा रहे थे। भीड़ के अंदर से उनके काफिले पर एक कांच की बोतल फेंकी गई, हालांकि इस हमले में नेतन्याहू और उनका परिवार बाल-बाल बच गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला गुरुवार रात यरुशलम के महाने येहुदा बाजार के पास हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हमलावर की तलाश शुरू कर दी। काफिले के निर्बाध गुजरने के लिए लाइट रेल सेवा को अस्थायी रूप से रोका गया था।


वेनेजुएला में चुनावों की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन करते और नारे लगाते हुए विपक्षी समर्थक।

एशिया के कई देशों में आया भूकंप : पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन में भी हिली धरती

भूकंप से तिब्बत में 16 की मौत, कई घायल

उत्तरी तिब्बत के नागचू शहर में बड़े पैमाने पर नुकसान

नई दिल्ली । एशिया के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह और गुरुवार देर रात आए शक्तिशाली भूकंप के झटकों ने भारी तबाही मचाई है। तिब्बत में आए 7 तीव्रता के भीषण भूकंप के कारण कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 74 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन में भी शुक्रवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार इन देशों में अलग-अलग समय पर भूकंप के झटके महसूस किए गए।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, गुरुवार देर रात स्थानीय समयानुसार 10:33 बजे तिब्बत में 7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसका केंद्र नागचू शहर से 191 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में जमीन से लगभग 18 किलोमीटर नीचे था। चीनी मीडिया के मुताबिक, यह पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र का सबसे बड़ा भूकंप है, जिसके बाद 4.3 से 5.2 तीव्रता के सात से अधिक झटके (आफ्टरशॉक्स) दर्ज किए गए।

इस आपदा से उत्तरी तिब्बत के नागचू शहर में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। यहाँ 339 से अधिक मकान और पशुओं के 20 बाड़े ढह गए हैं। चट्टानें खिसककर सड़कों पर आ जाने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-317 को बंद करना पड़ा है, जिस पर फिलहाल केवल आपातकालीन वाहनों की आवाजाही की अनुमति है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक प्रभावित क्षेत्र में बर्फबारी की संभावना है, जिससे राहत कार्यों में बाधा आ सकती है।



1,600 से अधिक कर्मी राहत कार्य में जुटे

आपदा की गंभीरता को देखते हुए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्यापक स्तर पर बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित इलाकों में 1,600 से ज्यादा राहत कर्मियों को तैनात किया गया है। पीड़ितों की सहायता के लिए 1,000 प्रीफैब्रिकेटेड आवास इकाइयां, लगभग 3,000 तंबू, फोल्डिंग बेड और गर्म कपड़े पहुँचाए गए हैं। इसके अलावा, संचार व्यवस्था बाधित होने और सुरक्षा कारणों से रेल सेवाओं को भी अस्थायी रूप से नियंत्रित किया गया है। तिब्बत के अलावा शुक्रवार सुबह अन्य पड़ोसी देशों में भी भूकंप के झटके दर्ज किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार पाकिस्तान में भारतीय समयानुसार सुबह 4:56 बजे 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं अफगानिस्तान में सुबह 5:54 बजे 4.1 तीव्रता के झटके महसूस किए गए। जबकि चीन में सुबह 6:05 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया।

चांपी : स्कूल, दफ्तर और बाजार बंद, 191 की रफ्तार से चलीं हवाएं

ताइवान में शक्तिशाली तूफान चांपी का कहर जारी है, जिसने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण अब तक एक व्यक्ति की मौत हो गई है और 94 लोग घायल हुए हैं। एहतियाती कदम उठते हुए, लगभग 1,300 लोगों को पहाड़ी इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। तूफान चांपी के खतरे को देखते हुए बुधवार को लगभग पूरे ताइवान द्वीप पर सामान्य गतिविधियां थम गईं। हालांकि, तूफान कमजोर जरूर पड़ रहा है, फिर भी इसके सीधे ताइवान से टकराने का खतरा बना हुआ है। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश की आशंका के बीच अधिकारियों ने व्यापक सुरक्षा उपाय किए हैं। हवाई यातायात पर चांपी का व्यापक असर पड़ा है। बुधवार को कुल 931 उड़ाने रद्द करनी पड़ीं, जिनमें 262 घरेलू और 669 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं। तूफान के खतरे को देखते हुए ताइवान के वित्तीय बाजार भी बुधवार को बंद रहे। राजधानी ताइपे में मेट्रो सहित सार्वजनिक परिवहन सेवाओं ने कटौती की गई, हालांकि उत्तर से दक्षिण को जोड़ने वाली हाई-स्पीड रेल सेवा सामान्य रूप से जारी रही। चीन तट के पास स्थित किनमेन द्वीप समूह को छोड़कर बाकी जगह स्कूल और कार्यालय बंद रहे। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अनुसार, तूफान चांपी के केंद्र के आसपास हवा के झोंकों की रफ्तार 191 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच रही थी।

पीएम मोदी ने चिन्मय अमृत महोत्सव में कहा-

सशक्त भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम

नई दिल्ली, । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन' का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आध्यात्मिक चेतना, स्वामी चिन्मयानंद के योगदान और देश के युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि चिन्मय मिशन केवल एक संस्था नहीं बल्कि एक 'विचार' है, जिसकी यात्रा हमेशा संकल्पों से परिपूर्ण रही है। समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया भर में चिन्मय मिशन से जुड़े संतों, आचार्यों, लाखों साधकों और अनुयायियों को इस अमृत महोत्सव की बहुत-बहुत बधाई। पीएम मोदी ने कहा, चिन्मय मिशन केवल एक संस्था नहीं है, यह एक 'चिन्मय विचार' है जिसकी स्थापना एक चिन्मय ऋषि ने की थी।

इतने दशकों की इसकी यात्रा चिन्मय संकल्पों से भरी रही है और जो चिन्मय है, वह स्वाभाविक ही अमर है, अमृतमय है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के युवाओं का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि सशक्त भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी सबसे अहम है। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि चिन्मय मिशन के प्रयासों से आज लाखों युवा देश के 'सांस्कृतिक ब्रांड एंबेसडर' के रूप में कार्य कर रहे हैं और भारतीय मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।



राष्ट्र ही हमारे अस्तित्व का आधार

चिन्मयानंद को श्रद्धांजलि देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन 'राष्ट्र ही हमारे अस्तित्व का आधार है' इस मंत्र को समर्पित कर दिया था। वे जितनी श्रद्धा और गहराई से आध्यात्मिक विषयों पर बोलते थे, उतनी ही तत्परता से राष्ट्रीय विषयों पर भी मुखर होकर अपनी बात रखते थे, क्योंकि हमारा राष्ट्र ही हमारी संस्कृति की जन्मभूमि है।

कांग्रेस से मिली सीटों पर फैसला आजम खां करेंगे : अखिलेश

लखनऊ । समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में रामपुर जेल में पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां से मुलाकात की। इस मुलाकात का मुख्य एजेंडा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस से प्राप्त सीटों की सूची पर गहन मंथन करना था। अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि प्रत्याशियों के चयन और सीटों के बंटवारे का अंतिम फैसला आजम खां की राय पर ही आधारित होगा।

एक घंटे की महत्वपूर्ण चर्चा ने एक बार फिर मोहम्मद आजम खां के पार्टी के रणनीतिक और नीतिगत फैसलों पर उनके अटूट प्रभाव को उजागर किया है, भले ही वे लंबे समय से सलाखों के पीछे हों। जेल से बाहर निकलने पर अखिलेश का यह बयान कि आजम थे, आजम हैं और आजम ही रहेंगे, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आगामी राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है। सियासी गलियारों में इसे सपा मुखिया द्वारा वेस्ट यूपी और रुहेलखंड के सियासी समीकरणों को साधने का एक 'मास्टरस्ट्रोक' भी कहा जा रहा है। अखिलेश यादव ने खुलकर स्वीकार किया कि इंडिया गठबंधन के तहत मिली सीटों की लंबी सूची पर आजम खां के साथ गंभीर रायशुमारी हुई है।



पंजाब में फिर परवान चढ़ेगा अकाली-भाजपा गठबंधन?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान से गरमाई सियासत

नई दिल्ली । पंजाब की राजनीति में एक बार फिर पुराने राजनीतिक समीकरणों के लौटने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। साल 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बड़े दावे ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। शाह के इस बयान के बाद कि आगामी चुनाव में पंजाब में एनडीए की सरकार बनेगी, यह कयास लगाए जाने लगे हैं कि क्या भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल एक बार फिर से हाथ मिला सकते हैं। दरअसल दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विश्वास जताया कि पंजाब की जनता अब बदलाव का पूरा मन बना चुकी है और राज्य में एनडीए की सरकार का गठन होगा। हालांकि, अपने इस बयान में शाह ने शिरोमणि अकाली दल के साथ औपचारिक गठबंधन को लेकर कोई सीधी घोषणा तो नहीं की, लेकिन उनके इस संकेत ने दोनों दलों के बीच संभावित पुनर्मिलन की अटकलों को हवा जरूर दे दी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पंजाब में अकाली दल भाजपा का सबसे पुराना और पारंपरिक सहयोगी रहा है, ऐसे में बिना किसी बड़े तालमेल के एनडीए का रास्ता आसान नहीं होगा।



कृषि कानूनों के चलते टूटा था गठबंधन

गौरतलब है कि भाजपा और अकाली दल के बीच करीब 24 साल पुराना मजबूत गठबंधन सितंबर 2020 में उस समय टूट गया था, जब केंद्र सरकार के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को लेकर राज्य में भारी विरोध प्रदर्शन हो रहा था। उस वक्त किसानों के समर्थन में अकाली दल की वरिष्ठ नेता हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था और पार्टी ने एनडीए से अपना नाता तोड़ लिया था।

गठबंधन हुआ तो चुनाव होगा दिलचस्प

इस अलगाव का असर उसके बाद के चुनावों में साफ देखने को मिला। साल 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव और हाल ही में संपन्न 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों दलों ने एक-दूसरे से अलग होकर चुनाव लड़ा था, जिससे दोनों का जनाधार भी प्रभावित हुआ था। अब जबकि राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं, दोनों दलों के कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच फिर से साथ आने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। यदि आने वाले समय में दोनों दल साथ आते हैं, तो पंजाब का चुनावी समीकरण काफी दिलचस्प हो सकता है।

गड़बड़ी के लिए भारत को जिम्मेदार न ठहराएं: गोयल

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे पर यूरोपीय देशों को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने सीधे तौर पर विकसित देशों को वैश्विक पर्यावरणीय संकट के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वे अपनी ऐतिहासिक गलतियों का ठीकरा भारत जैसे विकासशील देशों पर न फोड़ें। गोयल ने जोर देकर कहा कि वातावरण में बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन करने और ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने में अमीर देशों की भूमिका रही है। गोयल ने आंकड़ों के साथ अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया की लगभग 17 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में उसका योगदान तीन प्रतिशत से भी कम है।

फिर भड़के वांगचुक बोले – लद्दाख में विस से कम कुछ भी मंजूर नहीं

नई दिल्ली । प्रसिद्ध शिक्षाविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर लद्दाख की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार मई में बनी सहमति से पीछे हट रही है और 22 अक्टूबर को प्रस्तावित एक महत्वपूर्ण बैठक के रद्द होने से लद्दाख की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। वांगचुक, लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ दिल्ली में मीडिया से बात कर रहे थे। वांगचुक ने साफ किया कि लद्दाख के लिए विधानसभा और संवैधानिक सुरक्षा उपायों वाले केंद्र शासित प्रदेश से कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने बताया कि 22 मई को हुई बैठक से लद्दाख के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था बनने की उम्मीद जगी थी। शुरुआत में पूर्ण राज्य का दर्जा मांगा गया था, लेकिन संसाधनों की कमी का हवाला दिए जाने पर प्रतिनिधियों ने विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश और संवैधानिक सुरक्षा उपायों का प्रस्ताव रखा था।



उन्होंने दोहराया, हम फिर दोहरा रहे हैं कि विधानसभा और संवैधानिक सुरक्षा उपायों वाले केंद्र शासित प्रदेश से कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने बताया कि 15 अक्टूबर को लेह में लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के प्रतिनिधियों की बैठक हुई थी।

राष्ट्रपति ट्रंप अपनी अजीबोगरीब मांगों को लेकर फिर आए चर्चा में, बोले-

अटलांटिक महासागर का नाम बदलकर ट्रंप महासागर रखें

गूगल ने अमेरिकी राष्ट्रपति की मांग को कर दिया खारिज

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी अजीबोगरीब मांगों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को फोन करके अटलांटिक महासागर का नाम बदलकर 'ट्रंप महासागर' करने को कहा। हालांकि, गूगल ने उनकी यह मांग मानने से साफ इनकार कर दिया है।

यह जानकारी खुद डोनाल्ड ट्रंप ने साउथ कैरोलिना में एक संसदीय चुनाव प्रचार रैली के दौरान दी। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने सुंदर पिचाई को अटलांटिक महासागर का नाम 'ट्रंप ओसियन' करने का सुझाव दिया, लेकिन पिचाई ने यह कहकर इनकार कर दिया कि इस बार वे ऐसा नहीं कर सकते।



गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने राष्ट्रपति को समझाया कि अटलांटिक महासागर सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य देशों तक फैला हुआ है, इसलिए इसका नाम बदलना संभव नहीं होगा। ट्रंप ने खुले तौर पर यह भी कहा है कि प्रशांत महासागर को 'अमेरिकन ओसियन' और अटलांटिक महासागर को 'ट्रंप ओसियन' कर देना चाहिए। उनका मानना है कि उनके पिता अक्सर कहते थे कि उन्हें स्थानों की अच्छी समझ है। ट्रंप के नाम बदलने की यह कोई पहली सनक नहीं है। इससे पहले वे मेक्सिको की खाड़ी को अमेरिकन खाड़ी' और कनाडा के साथ साझा ओंटारियो झील को 'अमेरिकी झील' करवा चुके हैं। उनके आदेश के बाद गूगल मैप्स और एप्पल मैप्स पर इन नामों को जोड़ दिया गया था।

मेक्सिको का 'न्यू अमेरिका' करने का सुझाव दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि वह सरकारी इस्तेमाल के लिए किसी भी जगह का नाम बदल सकता है। दूसरे देश या प्राइवेट कंपनी उसे मानने या ना मानने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन ट्रंप के आदेश के मुताबिक गूगल और एप्पल ने मेक्सिको की खाड़ी और ओंटारियो झील के नाम के साथ अमेरिकी खाड़ी और अमेरिकी झील जोड़ दिया था। जनवरी 2025 में ट्रंप ने अलास्का की सबसे ऊंची पर्वत श्रेणी का नाम बदलकर 'माउंट मैकिनले' कर दिया था। इसी साल सितंबर में उन्होंने अमेरिकी राज्य न्यू मेक्सिको का नाम बदलकर 'न्यू अमेरिका' करने का सुझाव दिया, हालांकि उन्होंने इस पर जोर न डालने की बात कही थी।

साउथ अफ्रीका की ऐतिहासिक जीत, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की टेबल गड़बड़ाई

नई दिल्ली।

गेबेरा में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया पर पारी और 31 रनों की शानदार जीत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस को पूरी तरह से रोमांचक बना दिया है। इस करारी शिकस्त के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम अंक तालिका में टॉप पर बनी हुई है जो कि 12 मैचों में उनकी महज तीसरी हार थी। ऑस्ट्रेलिया का जीत प्रतिशत 75.00 है, जबकि न्यूजीलैंड दूसरे और दक्षिण अफ्रीका तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। प्रोटियाज टीम का PCT बढ़कर 66.67 हो गया है लेकिन वे न्यूजीलैंड (72.22 PCT) से पीछे ही हैं।







ऑस्ट्रेलिया को भारी नुकसान

दक्षिण अफ्रीका की इस धमाकेदार जीत से भले ही भारतीय टीम को सीधा अंक तालिका में बड़ा उछाल न मिला हो लेकिन इससे पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को खिताबी मुकाबले की रेस में आगे निकलने से रोक दिया है। लंदन के ओवल मैदान पर खेले जाने वाले फाइनल मैच के लिहाज से यह नतीजा काफी अहम माना जा रहा है। अंक तालिका में फिलहाल पांचवें स्थान पर खिसकी भारतीय टीम के पास अब इस चक्र में सात मुकाबले बाकी हैं जिनमें दो न्यूजीलैंड के खिलाफ और पांच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेले जाने हैं।

भारतीय टीम को खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे सातों मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन करना होगा। इसके साथ ही भारत को यह भी दुआ करनी होगी कि शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में से कम से कम दो टीमें आगामी मैचों में गलतियां करें। समीकरणों के अनुसार, भारत को 60 प्रतिशत अंक हासिल करने के लिए बचे हुए सात टेस्ट मैचों में से कम से कम 62 अंक जुटाने होंगे, जिसका मतलब है कि टीम इंडिया दो से ज्यादा मैच हारने का जोखिम बिल्कुल नहीं उठा सकती।

दूसरी टीमों पर भारत निर्भर

हालांकि, सिर्फ 60 प्रतिशत PCT हासिल कर लेना भी फाइनल में जगह की गारंटी नहीं होगा क्योंकि यह बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर करेगा। इतिहास गवाह है कि पिछले WTC चक्र में फाइनल खेलने वाली दक्षिण अफ्रीका (69.44 PCT) और ऑस्ट्रेलिया (67.54 PCT) दोनों ही टीमों के आंकड़े इससे कहीं अधिक थे। ऐसे में भारतीय टीम को न सिर्फ अपने मैच जीतने होंगे बल्कि अन्य सीरीज के समीकरणों पर भी कड़ी नजर रखनी होगी।

बांग्लादेश भी रेस में मौजूद

वहीं दूसरी ओर, अंक तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद बांग्लादेश की टीम भी इस रेस में बनी हुई है। बांग्लादेश के बाकी बचे छह मुकाबलों में से चार मुकाबले उनके घरेलू मैदानों पर होने हैं। अगर परिस्थितियां और अन्य टीमों के नतीजे उनके अनुकूल रहते हैं, तो बांग्लादेश के पास भी फाइनल में पहुंचने का एक बाहरी मौका रहेगा। इसके लिए उन्हें घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए अधिकतम अंक हासिल करने होंगे और उम्मीद करनी होगी कि ऊपर की टीमें अपने अंक गंवाएं।

एशियन पैरा गेम्स में भारत का दमदार प्रदर्शन, पदकों का शतक पूरा

थुलासिमती-मानसी की जोड़ी ने बैडमिंटन में जीता गोल्ड, हेनी और मोना ने भी रचा इतिहास

नई दिल्ली।

एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। जापान के आइची-नागोया में आयोजित खेलों में भारत ने पदकों का शतक पूरा कर लिया है। भारतीय खिलाड़ियों ने बैडमिंटन, एथलेटिक्स और शूटिंग सहित विभिन्न स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।



थुलासिमती मुरुगेसन और मानसी जोशी की जोड़ी ने महिला युगल बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के अभियान को खास बना दिया। थुलासिमती और मानसी ने महिला युगल (SL3-SS) के फाइनल में चीन की यांग किउक्सिया और शियाओ जुक्सियान को सीधे गेमों में 21-16, 21-13 से हराया। भारतीय जोड़ी ने 28 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। थुलासिमती ने प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, थुलासिमती और नितेश कुमार की जोड़ी को मिश्रित युगल के फाइनल में रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

शूटिंग में मोना अग्रवाल ने महिलाओं की 50 मीटर 3P स्था स्पर्धा में 357.5 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता और विश्व रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले वह 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH1 में भी स्वर्ण जीत चुकी थीं। वहीं, हेनी ने पुरुषों की F37/38 भाला फेंक स्पर्धा में 60.49 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतते हुए विश्व रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले उन्होंने डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीता था।

एथलेटिक्स और बैडमिंटन में भी चमके भारतीय खिलाड़ी

संदीप ने पुरुषों की 400 मीटर ञ्ज44/64 दौड़ में 52.28 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता और ञ्ज44 विश्व रिकॉर्ड बनाया। नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल स्ष्ठ के फाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 21-9, 21-17 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नवदीप सिंह ने भाला फेंक में 42.55 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य, जबकि राकेशभाई भट्ट ने 200 मीटर ञ्ज37 दौड़ 23.64 सेकंड में पूरी कर कांस्य पदक जीता। नित्या श्री ने महिला एकल स्।ा6 में रजत और निमिषा चक्कुंगलपरम्बिल ने महिला ञ्ज47 लंबी कूद में 5.37 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में भारत ने 25 स्वर्ण, 32 रजत और 43 कांस्य सहित कुल 100 पदक जीतकर पदकों का शतक पूरा किया। भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन लगातार मजबूत बना हुआ है और देश पदक तालिका में चौथे स्थान पर है।

स्क्वैश की रानी पर भारत अंकित, सिलिकॉन वैली में अनाहत सिंह का कीर्तिमान

रेडवुड सिटी।

भारत की स्टार स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। 8 बार की वर्ल्ड चैंपियन नूर एलशेरबिनी को हराने के बाद क्वार्टर फाइनल में अनाहत ने एक बार फिर उलटफेर किया। उन्होंने मिस्र की ही खिलाड़ी सलमा हानी को हराया। छठी सीड हानी के खिलाफ अनाहत को 3-2 से जीत मिली। किसी PSA गोल्ड-लेवल इवेंट में अनाहत का यह पहला सेमीफाइनल है।



सलमा हानी को पहला गेम जीतने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। उन्होंने 18 साल की अनाहत को 11-4 से हराया लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने शानदार वापसी की और अगला गेम 11-8 से जीत लिया। हानी ने तीसरे गेम में एक बार फिर 11-4 की जीत दर्ज की। ??दबाव में होने के बावजूद अनाहत ने अपना दमदार खेल दिखाया। अगले दो गेम में उन्होंने हानी को 11-2 और 11-5 से बुरी तरह हरा दिया, जिससे उन्होंने यह मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया। अपनी जीत के बाद अनाहत सिंह ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है। इस मैच से पहले मैंने कभी उनके खिलाफ नहीं खेला था, इसलिए मुझे नहीं पता था कि क्या उम्मीद करनी चाहिए। मेरी शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहला गेम में काफी खराब शुरुआत थी। हालांकि, मैं मैच में वापसी करने और कड़ी टक्कर देने का कोई तरीका खोजना चाहती थी। चाहे नतीजा जीत हो या हार, मैं इतनी आसानी से हार नहीं मानना चाहती थी। मुझे खुशी है कि मैं जीत हासिल करने में कामयाब रही।

अनाहत सिंह लगातार अच्छा खेल दिखा रही हैं। उनकी जीत से भारतीय फैंस गदगद हैं। भारतीय सेना के रिटायर ऑफिसर, लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे ने सोशल मीडिया पर अनाहत की तारीफ की है। उन्होंने लिखा- स्क्वैश की रानी पर भारत अंकित। सेमीफाइनल मुकाबले में भी अनाहत सिंह के सामने मुश्किल चुनौती है। उनका सामना मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। 27 साल की मलेशियाई खिलाड़ी ने अनाहत को एशियन गेम्स के महिला सिंगल्स के फाइनल में हराया था। शिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ अनाहत एक भी गेम नहीं जीत पाई थीं।

मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड को बुरे कर्मों पर दिखाया आईना

मुंबई।

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म गजब रात को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को Netflix पर रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिव्या दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्म है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइटल घूसखोर पंडत को लेकर विवादों में रही थी। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है। इस बीच मनोज बाजपेयी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों तक सीमित रखने की सोच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री ने कई टैलेंटेड एक्टर्स को सही मौके न देकर उनका टैलेंट बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री के बुरे कर्म हैं, जो एक्टर्स को तबाह कर देती है। खुद अपने बारे में उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा का 25 प्रतिशत हिस्सा ही अब तक इस्तेमाल हुआ है।



जूम को दिए इंटरव्यू में मनोज बाजपेयी और दिव्या दत्ता ने फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों के साथ होने वाले भेदभाव, उन्हें एक तय छवि में बांधने और लीड और को-एक्टर के बीच फर्क करने की सोच पर खुलकर बात की। दिव्या ने कहा कि हर कलाकार को उसकी प्रतिभा के आधार पर पहचान मिलनी चाहिए। दोनों कलाकारों का मानना है कि OTT के आने से इंडस्ट्री में बदलाव हो रहा है और दर्शक भी अब कहानियों व किरदारों को ज्यादा बारीकी से समझने लगे हैं।

सत्या जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले मनोज बाजपेयी ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहतरीन कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों में बांधकर उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने इंडस्ट्री के बुरे कर्मों का जिक्र करते हुए कहा, इस इंडस्ट्री में कई कलाकारों को स्टीरियोटाइप किया जाता है, और ऐसा करके हमने कई बेहतरीन टैलेंट को बर्बाद कर दिया है। मैंने हमेशा कहा है कि इस इंडस्ट्री की बदनामी है और इसके सिर पर ऐसे महान कलाकारों को बर्बाद करने का बुरा कर्म है। सेट पर उन्हें कोई अहमियत न देकर, उनके किरदारों को सीमित करके और उनके साथ खराब बर्ताव करके उन्हें खत्म कर दिया गया। कई लोग तो बिना किसी पहचान के ही गुमनामी में खो गए।

मनोज बाजपेयी का मानना है कि फिल्म निर्माता अब तक उनकी अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। अपनी प्रतिभा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने हमेशा यही माना है कि मेरी अभिनय क्षमता का केवल 25 प्रतिशत ही इस्तेमाल हुआ है; अभी बहुत कुछ बाकी है।

सलार 2 को लेकर बढ़ा फैंस का उत्साह

मुंबई।

साउथ के बाहुबली प्रभास के जन्मदिन से पहले डायरेक्टर प्रशांत नील के साथ उनकी खास मुलाकात हुई है। इस रीयूनियन की तस्वीर और अपडेट सामने आने के बाद फैंस के बीच फिल्म सलार: पार्ट 2 को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। होम्बले फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इस खास मुलाकात की जानकारी शेयर करते हुए प्रभास को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और इस दमदार जोड़ी को फिर से एक्शन में देखने की उम्मीद जताई।



प्रभास और प्रशांत नील की फिल्म सलार: पार्ट 1- सीजफायर साल 2023 में रिलीज हुई थी। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता मिली और इसकी कहानी, एक्शन और खानसार की दुनिया ने दर्शकों का ध्यान खींचा। अब फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऐसे में प्रभास के जन्मदिन से पहले प्रशांत नील से उनकी मुलाकात ने सलार 2 को लेकर चर्चाएं तेज कर दी हैं।

प्रभास के जन्मदिन से पहले डायरेक्टर प्रशांत नील ने उनसे मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच आगे के रोमांचक सफर को लेकर भी चर्चा हुई। हालांकि,इस मुलाकात में सलार 2 को लेकर क्या बातचीत हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

इस खास मुलाकात को लेकर होम्बले फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की। मेकर्स ने लिखा, एक स्पेशल दिन पर एक स्पेशल रीयूनियन हमारे इकलौते वायलेंट मैन प्रभास को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं! हम इस धमाकेदार जोड़ी को एक बार फिर एक्शन में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

प्रभास और प्रशांत नील की जोड़ी पहले सलार: पार्ट 1 - सीजफायर में नजर आई थी। फिल्म की सफलता के बाद से ही दर्शक इसके अगले भाग का इंतजार कर रहे हैं। मेकर्स के इस नए अपडेट ने एक बार फिर फैंस के बीच सीक्वल को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

साल 2023 में रिलीज हुई सलार: पार्ट 1 - सीजफायर ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। यह एक साल से ज्यादा समय तक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड करती रही और इसे बड़ी संख्या में दर्शकों ने देखा। बताया जाता है कि होम मीडिया पर ब्लॉकबस्टर के तौर पर यह 300 दिनों से ज्यादा समय तक ट्रेंड करती रही। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म की कहानी खानसार की काल्पनिक दुनिया पर आधारित थी, जिसमें दोस्ती, सत्ता और एक्शन का जबरदस्त मेल देखने को मिला। फिल्म की सफलता ने इसके सीक्वल को लेकर दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ा दीं। होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा में चलख और कांतारा जैसी सफल फिल्मों के लिए जानी जाती है। सलार फ्रेंचाइजी भी इसके बड़े प्रोजेक्ट्स में शामिल है। फिल्म को देशभर में दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और प्रभास की लोकप्रियता ने इसकी पहुंच को और बढ़ाया। अब दर्शकों की नजरें इसके दूसरे भाग पर टिकी हैं।

सिनेमाघरों में सफलता के बाद सलार: पार्ट 1- सीजफायर को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म लंबे समय तक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड करती रही और बड़ी संख्या में दर्शकों ने इसे देखा। इसके अलावा, होम मीडिया पर भी फिल्म के लंबे समय तक लोकप्रिय बने रहने की बात कही गई है।

अब फैंस को इंतजार है कि सलार 2 कब रिलीज होगी और प्रभास-प्रशांत नील की जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर क्या कमाल दिखाएगी।

व्यापार

बादाम, अखरोट और सौंफ-जीरे में तेजी, ब्राजील की कालीमिर्च वियतनाम से सस्ती

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सूखे मेवों में त्यौहारी ग्राहकी पूछपरख अच्छी चल रही है। माल की कमी से बादाम में 20 रुपये की तेजी आई है। नए बादाम की आवक शुरू हो गई है और भाव 1,160 रुपये बोला जा रहा है। मखाना में पहले 100 रुपये की मंदी के बाद 40 रुपये की तेजी दर्ज की गई। सौंफ और जीरे में भी तेजी है। वहीं, नए अखरोट की आवक कम होने से भाव 40 रुपये बढ़ गए। कश्मीर से नई अखरोट गिरी की आवक शुरू हो गई है। नई धोली मूसली की आवक भी शुरू हो गई है। 905-1150 रुपए तक भाव बोले जा रहे हैं।

उधर, ब्राजील की कालीमिर्च का निर्यात भाव 6,000 डॉलर प्रति टन से नीचे आ गया है, जबकि वियतनाम का भाव करीब 6,000 डॉलर है। इंडोनेशिया में 6,500 डॉलर, श्रीलंका में 6,800 डॉलर और भारत में 7,825 डॉलर प्रति टन भाव चल रहा है। भारत में कालीमिर्च की मांग बढ़ने और उत्पादन सीमित रहने से आयात पर निर्भरता बढ़ रही है। श्रीलंका से आयात बढ़ रहा है, जबकि आगे ब्राजील और इंडोनेशिया से भी आवक बढ़ने की संभावना है।

शकर- शकर 5325-5450, गुड़ भैली 5600-5700, लड्डू 6500, बरफी 7000, महाराष्ट्र गुड़ ग्लास 6000-6200 रुपये प्रति क्विंटल।

नारियल- नारियल 120 भरती 3200, 160 भरती 3400, 200 भरती 3700, 250 भरती 4500 रुपये प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 330-380, कट्टे में 315-20 रु. प्रति किलो, खोपरा बूरा 3050-5750 रु. प्रति 15 किलो।

दालों में मंदी, नाफेड की बिकवाली से मसूर भी घटी

इंदौर। त्योहारों पर दालों में तेजी वाले भाव पर ग्राहकी समर्थन नहीं मिल रहा है। लोकल व बाहरी मांग कम होने से मिलों ने चनादाल, तुवरदाल, मूंगदाल, मोगर और उड़द दाल के भाव 100-200 रुपए क्विंटल घटाकर बिकवाली शुरू कर दी है। उधर, नाफेड और आयातकों की बिकवाली बढ़ने तथा दाल मिलों की कमजोर मांग से मसूर की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। कनाडा से 56 हजार टन मसूर लेकर जहाज मुंद्रा बंदरगाह पहुंचने से उपलब्धता बढ़ी है। ऐसे में निकट अवधि में मसूर में तेजी की संभावना कमजोर है। आगे बाजार की दिशा मांग और स्टॉक पर निर्भर करेगी दूसरी ओर, मसूर दाल में मांग कमजोर रहने से दाल मिलों की खरीद सीमित बनी हुई है। नाफेड और आयातकों की बिकवाली के बीच बाजार को मांग का पर्याप्त समर्थन नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में निकट अवधि में मसूर बाजार में तेजी टिकना मुश्किल दिखाई देता है।



दलहन- इंदौर चना काँटा 7350-7400 विशाल 7200-7300 डंकी चना 6300-6700 मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 9400-9700 महाराष्ट्र लाल 9800-10000 कर्नाटक 10000-10100 निमारी तुवर 7700-9200 मूंग बेस्ट गर्मी 8200-8400 मूंग बेस्ट बोल्ड 8400-8600 मोगर 5500 - 7500 उड़द बोल्ड 9500-9700 उड़द गर्मी 9000-9400 ग्रेविटी क्लीन 9700-10100 उड़द मीडियम 6000-8500 हल्का 4000-6000 काबुली डॉलर 9500-10500 काबुली रशियन 7600-7800 बिटकी 7100-7300 रुपए क्विंटल।

दालें- चना दाल 8800-8900, मीडियम 9100-9300, बेस्ट 9700-9900, मसूर 7850-7950, बेस्ट 8050-8150, मूंग दाल 9800-9900, बेस्ट 10000-10100 मूंग मोगर 11800-11900, बेस्ट 12200-12100, तुवर दाल 9400-9500, मीडियम 10300-10400, बेस्ट 12300-12500, ए.बेस्ट 13500-13700, ब्रांडेड तुवर दाल 15100, उड़द दाल 11200-11300, बेस्ट 11400-11500, उड़द मोगर 11800-12000 बेस्ट 12100-12300, रुपये प्रति क्विंटल।

गेहूं- मिल क्वालिटी 2500-2700, लोकवन 2700-3200, मालवराज 2800-2825, पूर्णा 2700-2900, मक्का 2300-2360 रुपए क्विंटल

इंदौर चावल-बासमती (921) 12000-13000, तिवार 10500-11500, बासमती दुबार पोनिया 9500-10000, मिनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, बासमती सेला 7500-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 9000, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5500, परमल 3400-3500, हंसा सेला 3500-3700, हंसा सफेद 2900-3100, पोहा 4500-5100 रु. क्विंटल।

फिशरीज भी अब उद्योग, सभी छूट और इंसेंटिव मिलेंगे

मत्स्य निवेशक कॉन्क्लेव,निवेश प्रस्ताव भी मिले



भोपाल आरएचएम। मत्स्य पालन अब महज पारंपरिक व्यवसाय नहीं रहेगा, बल्कि इसे पूर्ण उद्योग का दर्जा देकर राज्य की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार बनाए जाने की तैयारी की जा रही है। राजधानी में राष्ट्रीय मत्स्य सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस इरादे का इजहार किया और कहा कि फिशरीज सेक्टर को फूड प्रोसेसिंग और एमएसएमई से जोड़कर वे सभी छूट और इंसेंटिव दिए जाएंगे, जो अन्य बड़े उद्योगों को मिलते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय पंचायत,डेयरी व पशुपालन मंत्री ललन सिंह भी मौजूद थे, इस दौरान 'मध्यप्रदेश मत्स्य निवेश एवं निर्यात मार्गदर्शिका' का सिंगल विलक से विमोचन किया गया। इसका उद्देश्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर निजी निवेश और एक्सपोर्ट को बढ़ावा देना है। डॉ यादव ने कहा कि वर्तमान दौर देश और प्रदेश के लिए स्वर्णिम समय है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनके सभी मंत्री 'नवरत्न' की तरह काम कर रहे हैं।

हलाली और इंदिरा सागर बनेंगे मॉडल

केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश को रिजर्वायर फिशरीज क्लस्टर कार्यक्रम में शामिल किया है। इसके तहत रायसेन के सम्राट अशोक सागर यानी हलाली जलाशय और खंडवा के इंदिरा सागर जलाशय को मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां मत्स्य बीज और चारे की उपलब्धता से लेकर मछली उत्पादन, निकासी, प्रसंस्करण, शीत भंडारण, परिवहन और मार्केटिंग तक की व्यवस्था विकसित करने पर जोर रहेगा।

नेशनल फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन की उत्पत्ति जल से हुई है और नदियों का मायका होने के नाते मप्र में जल स्रोतों की कोई कमी नहीं है। 03 के बाद सिंचाई क्षमता तेजी से बढ़ी है और देश का पहला नदी जोड़ो अभियान भी मप्र में ही शुरू हुआ। यादव ने कहा कि नई नीति अंतर्गत प्रदेश में 1 लाख नए केज कल्चर स्थापित करने का लक्ष्य लिया है। प्रदेश के संरक्षित वन क्षेत्रों में भी बड़े तालाब निर्मित करेंगे, ताकि वन्य जीवों के साथ-साथ इन तालाबों का लाभ मत्स्यपालकों को भी मिले। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि भारत आज दुनिया में मत्स्य उत्पादन में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। देश में उत्पादन 95 लाख टन से बढ़कर 198 लाख टन हो चुका है। मत्स्य एक्सपोर्ट 30,213 करोड़ रुपए से बढ़कर 62,408 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर है। इस पूरे सेक्टर पर 6 करोड़ लोगों की आजीविका टिकी है। मप्र जैसे इनलैंड (गैर-तटीय) राज्यों में एक्सपोर्ट की संभावनाएं बढ़ाने की सख्त जरूरत है। भोपाल में मछली पालकों, मछुआरों और निर्यातकों को एक मंच पर लाने से मप्र विकसित और आत्मनिर्भर बनेगा इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने बताया कि 2019 में कृषि से अलग नया मंत्रालय बनने के बाद से सेक्टर में अभूतपूर्व प्रगति आई है। भारत आज दुग्ध उत्पादन में दुनिया में नंबर-1 और मत्स्य उत्पादन में नंबर-2 है। इसके अलावा कहा कि ललन सिंह का कार्यकाल इस विभाग का 'गोल्डन पीरियड' है। पहली बार फिशरीज सेक्टर में निजी निवेश और एक्सपोर्ट के लिए उद्योग जगत आगे आ रहा है। बघेल ने आगे कहा कि देश में 75ब्र योगदान इनलैंड फिशरीज का है और केवल 25ब्र मरीन फिशरीज का। समुद्र न होते हुए भी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य इनलैंड फिशरीज और एक्सपोर्ट में आगे बढ़ सकते हैं।

कान्क्लेव में 7430 करोड़ का निवेश: इस कान्क्लेव में निवेश प्रस्तावों के अलावा यह भी तय किया गया कि इंदिरा सागर, बरगी, बाणसागर और बारना जलाशयों में आधुनिक केज कल्चर व संबंधित सुविधाएं विकसित होंगी। परियोजना से करीब 4 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त मछली उत्पादन का लक्ष्य है। हाइड्रोपोनिक्स और ग्रीन हाउस से सब्जी उत्पादन व रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।



मप्र में 22 हजार करोड़ का निवेश करेंगे बिरला

मुख्यमंत्री से मुलाकात

भोपाल आरएचएम। देश के प्रख्यात उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला ने मप्र के सिंगरौली की हिंडाल्को इंडस्ट्री में 22 हजार करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने गत दिवस मुंबई में सीएम डा मोहन यादव से मुलाकात के दौरान यह प्रस्ताव दिया।

उल्लेखनीय है कि मुंबई में इंडिया केम के उद्घाटन सत्र में गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र को रसायन और पेट्रोकेमिकल उद्योग का ग्लोबल हब बनाने का लक्ष्य रखा था, उन्होंने आदित्य बिरला समूह के प्रमुख कुमार मंगलम बिरला और उनके बेटे आर्यमन विक्रम बिरला से मुलाकात कर जनवरी 2027 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने का न्योता दिया। मुख्यमंत्री ने मुंबई प्रवास में कहा कि बीना में 50 हजार करोड़ रुपए की डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल परियोजना का काम शुरू हो गया है। इससे सालाना 22 लाख टन से अधिक पेट्रोकेमिकल उत्पाद तैयार होंगे।

भोपाल के मास्टर प्लान-2047 से गुस्साए किसान

आम लोगों पर रोक, रसूखदारों के बंगलों-फार्म हाउस की बढ़ाई सीमा

मांगें नहीं मानने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली भरकर धरने पर बैठने की दी चेतावनी



भोपाल आरएचएम। भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट का विरोध लगातार जारी है। शुक्रवार को किसानों ने शाहपुरा के टीएनसीपी दफ्तर जाकर उपसंचालक हरिओम महेश्वरी को कृषि भूमि और कैचमेंट एरिया के प्रावधानों पर अपनी आपत्तियां सौंपीं। भारतीय किसान संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों ने कृषि भूमि के भू-उपयोग में बदलाव पर सवाल उठाए। उन्होंने बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में निर्माण का मुद्दा भी उठाया। किसानों ने साफ कहा कि रसूखदारों की सुविधा के लिए आम लोगों पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। किसान गीता प्रसाद पाटीदार ने मांगें नहीं माने जाने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर टीएनसीपी दफ्तर के सामने धरने पर बैठने की चेतावनी दी।

मास्टर प्लान में 66 गांवों की कृषि भूमि को रिवरफ्रंट, फॉरेस्ट, ग्रीन बैल्ट और अन्य आरक्षित श्रेणियों में शामिल करने का प्रस्ताव है। किसानों का कहना है कि इससे उनकी निजी जमीन, खेती और आजीविका प्रभावित हो सकती है।

फंदा जनपद पंचायत के अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत ने कहा कि अधिकारी गड़बड़ी कर रहे हैं। सरपंच प्रतिनिधि घनश्याम पाटीदार ने कहा कि मास्टर प्लान में शामिल सरपंचों को किसी बैठक में नहीं बुलाया।

बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में निर्माण के प्रावधानों पर भी किसानों ने गुस्सा जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि आमजनों के मकानों पर रोक लगाई जा रही है जबकि रसूखदारों के बंगलों और फार्म हाउस वाले इलाकों में निर्माण की सीमा बढ़ाई जा रही है।

मिसरोद में धरने पर बैठे स्टूडेंट्स, शिक्षिका के निलंबन के लिए अब करेंगे सड़क जाम



भोपाल आरएचएम। मिसरोद में हायर सेकेंडरी स्कूल के स्टूडेंट्स शुक्रवार को फिर धरने पर बैठ गए। वे एक शिक्षिका के निलंबन की मांग कर रहे हैं। स्टूडेंट ने शिक्षिका पर कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में सड़क पर बैठकर चक्काजाम करने की चेतावनी दी है। विद्यार्थियों ने शिक्षिका पर घर का काम कराने का आरोप लगाया है। शिक्षा विभाग ने शिकायत की जांच के बाद उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। अभी तक शिक्षिका पर कोई कार्रवाई न होने पर विद्यार्थी धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि शिकायत के बावजूद 10 दिन में कोई कार्रवाई नहीं हुई। धरने पर बैठे छात्र-छात्राओं ने शिक्षिका बबीता कुशवाहा को तत्काल निलंबित करने की मांग की। 5 अक्टूबर को भी स्टूडेंट ने शिक्षिका के विरुद्ध प्रदर्शन किया था तब जिला शिक्षा अधिकारी ने स्थानांतरण करते हुए मामले में उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। स्टूडेंट ने कहा कि अतिरिक्त समय दिए जाने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। शिक्षिका पर राजनीतिक प्रभाव से जांच को प्रभावित करने का आरोप भी लगाया।

गर्ल्स कॉलेज के पास सोनचिरैया हाकर्स कार्नर किराए पर चलाने की तैयारी

करारे विरोध के आसार

भोपाल आरएचएम। राजधानी के शिवाजी नगर में सोन चिरैया हॉकर्स कॉर्नर में छात्राओं की सुरक्षा संबंधी आपत्ति के बाद नई शर्तें जोड़ी गई हैं। नगर निगम परिषद की बैठक में इस पर आज चर्चा के आसार के साथ ही विरोध व हंगामे के भी आसर हैं। इसके अलावा परिषद के एजेंडे में अमृत 2.0 के लिए 493.49 करोड़ रुपए का ऋण प्रस्ताव भी बैठक में आ रहा है। उल्लेखनीय है कि नूतन गर्ल्स कॉलेज के पास सोन चिरैया हॉकर्स कॉर्नर को किराए पर देने पर अगस्त में छात्राओं की सुरक्षा संबंधी आपत्ति आई थी। अब एजेंसी को परिसर और आसपास 24 घंटे सीसीटीवी चालू रखने, गार्ड तैनात करने होंगे। तीन साल के किराए और अगले तीन साल नवीनीकरण का प्रस्ताव है। हालांकि बाजार चालू होने से यातायात संबंधी दिक्कतों की भी आशंका है। दूसरी तरफ स्थानीय लोग इसके पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि बाजार के तीन तरफ आवासीय क्वार्टर हैं तथा आसपास नूतन कालेज, महिला पॉलिटेक्निक कालेज तथा गर्ल्स हास्टल भी है। स्थानीय पार्षद योगेंद्र गुड्डू चौहान का कहना है कि इस प्रस्ताव से इस इलाके का माहौल भी खराब होगा तथा लड़कियों को भी असुविधा होगी,क्योंकि हमेशा यहां वाहनों व लोगों का जमघट रहेगा।



उधर भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यति ने नगर निगम में एमआईसी (मेयर इन कौंसिल) मेंबर होने के नाते वैध-अवैध होर्डिंग्स की जानकारी मांगी है। शनिवार को होने वाली नगर निगम परिषद की मीटिंग में यह जानकारी पटल पर रखी जाएगी। जानकारी के मुताबिक आईएसबीटी स्थित मीटिंग हॉल में होने वाली निगम की बैठक में कुल 13 प्रश्न पूछे जाएंगे। वहीं, 4 प्रमुख एजेंडे रखे जाएंगे। इनमें दो ऐसे प्रस्ताव ऐसे हैं, जिन्हें 19 अगस्त को हुई बैठक में मंजूरी नहीं दी गई थी। अब पेश होने वाले एजेंडे में एमआईसी ने दोनों की शर्तें बदल दी हैं। नए मुख्यालय का सर्विस ब्लॉक परिषद ने सिर्फ दो साल के लिए देने का निर्णय लिया था। अब इसे 10 साल के लिए देने और अगले 10 साल नवीनीकरण का प्रस्ताव है। यानी अधिकतम अवधि 20 साल हो सकती है।

गड़बड़ी पर 35 खाद्य कारोबारियों पर केस

त्योहार पर मिलावट का खेल घी-तेल-पनीर में मिली खराबी



भोपाल आरएचएम। त्योहार पर मिलावट का खुला खेल चल रहा है। घी-तेल-पनीर में खूब मिलावट की जा रही है। हाल ये है कि कई बड़े रेस्टोरेंट, डेयरी और कैटीन से लिए गए सैंपल भी फेल हो रहे हैं। ऐसे 35 खाद्य कारोबारियों पर केस दर्ज किया गया है। इनके खिलाफ अपर कलेक्टर (एडीएम) कोर्ट में मामले चलेंगे।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, कई रेस्टोरेंट, डेयरी, किराना दुकानों और अस्पतालों की कैंटीन में खाद्य सामग्रियों की जांच की गई थी। घी, सोयाबीन तेल, पनीर आदि में भी कई खामियां मिलीं। अब विभागीय अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर ऐसे मामलों की सुनवाई होगी। भोपाल के 35 खाद्य कारोबारियों की दुकानों, प्रतिष्ठानों से खाद्य सामग्रियों के सेंपल की लैब में जांच की गई। जांच रिपोर्ट में कई खाद्य सामग्रियों में मिलावट पाई गई। कई नमूने अमानक और मिथ्या छाप पाए गए। ऐसे 35 मामले एडीएम के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं। फूड एंड सेफ्टी विभाग की टीम ने मंगलवार को मंगलवारा बाजार की दुकानों का निरीक्षण किया था। इस दौरान यूनिवर्सल ट्रांसपोर्ट की जांच की गई लेकिन उसके मैनेजर लाइसेंस भी प्रस्तुत नहीं कर सके। टीम ने पंचनामा तैयार किया। बिना वैध खाद्य सुरक्षा लाइसेंस के खाद्य कारोबार संचालित किए जाने का प्रकरण बनाया गया है। यहां की बत्रा स्टोर से पापड़ एवं अचार के नमूने गुणवत्ता जांच के लिए गए। नमूनों की प्रयोगशाला में जांच के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आज 35 इलाकों में बिजली सप्लाई बंद

भोपाल। राजधानी के करीब 35 इलाकों में शनिवार को 4 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। रचना नगर, गौतम नगर, ललिता नगर, फाइन एवेन्यू, पुष्पा नगर, 80 फीट रोड, बसंतकुंज, छत्तीसगढ़ कॉलोनी, प्रकाश नगर, भेल नगर, आनंद नगर समेत कई इलाके में बिजली बंद रहेगी। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक रचना नगर, गौतम नगर, बैंक कॉलोनी एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3.30 बजे तक फाइन एवेन्यू फेस 2 और 3, ऑनेक्स पैलेस, आम्र स्टेट, ललिता नगर, अंकित परिसर एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक पुष्पा नगर, 80 फीट रोड, ग्राम गद्दा रोड, कम्मू का बाग, महामाई का बाग, इंद्रलोक, ऋषिकल्प, प्रकाश नगर, भेल नगर क्षेत्र में बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

अन्नानगर में बिजली कटौती से त्रस्त लोगों ने रोकी गाड़ियां, लगा एक किमी लंबा जाम



भोपाल आरएचएम। राजधानी के अन्नानगर में बिजली कटौती से नाराज लोगों ने शुक्रवार शाम 7 बजे सड़क जाम कर दी। भेल दशहरा मैदान, डीआरएम ऑफिस और आईएसबीटी को जोड़ने वाली सड़कें पर आवाजाही थम गई। सभी रास्तों पर 1 किमी लंबा जाम लग गया। रात करीब 8.30 बजे जैसे तैसे रास्ते खुलवाए गए। इलाके में तीन दिन से बिजली गुल है जिससे लोग गुस्सा उठे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि बकाया का हवाला देकर अफसरों ने बिजली काटी। तीन दिन से न कोई चैन से सो पा रहा है और न ही बच्चे पढ़ पा रहे हैं।

40 हजार टीचर्स को नए साल में मिलेगा प्रमोशन

भोपाल, आरएचएम। मध्यप्रदेश में 40 हजार टीचर्स को नए साल में प्रमोशन मिल जाएगा। दिसम्बर में शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित की गई है। इसका परिणाम आते ही प्रमोशन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। मार्च 2027 तक पात्र टीचर्स पदोन्नत कर दिए जाएंगे। शुक्रवार को लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से यह बात कही। उन्होंने दिवाली के पहले शिक्षक एप की विसंगतियां दूर करने का भरोसा दिया।

शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल एवं गुरुजी संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश पटेल ने लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त अभिषेक सिंह एवं संचालक कामना आचार्य से भेंट कर ज्ञापन सौंपा। इसमें शिक्षक संवर्ग की लंबित समस्याओं के निराकरण और नियमित पदोन्नति की मांग की गई है। आयुक्त ने समस्याओं के निराकरण के लिए आश्वस्त किया।

बिजली समस्या का मौके पर निराकरण

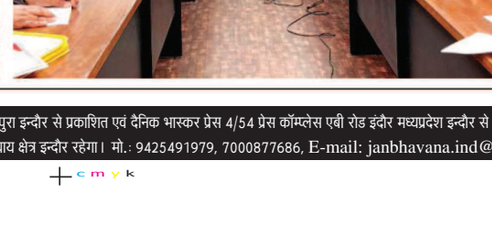
भोपाल। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित संपर्क अभियान 2026 को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के अंतर्गत भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 6,976 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 3 लाख 3 हजार 400 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया।

जमीनी मजबूती के लिए कांग्रेस नेताओं को हिदायतें

चार संभागों के कामकाज की पटवारी ने की समीक्षा, सक्रियता और समन्वय के दिए निर्देश

भोपाल, आरएचएम। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जबलपुर, सागर एवं नर्मदापुरम, इंदौर संभाग की संगठनात्मक समीक्षा की और हर स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिये। इस दौरान आगामी कार्ययोजना, संगठन के विस्तार और जमीनी स्तर पर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान महामंत्री संजय कामले महासचिव गौरव रघुवंशी सहित चारों संभागों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, विधानसभा प्रभारी तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जानकारी के मुताबिक जिला एवं विधानसभा स्तर पर संगठन की गतिविधियों, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और संगठनात्मक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही, आगामी दिनों में पार्टी की रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करने, संगठन के विभिन्न स्तरों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया गया। पटवारी ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए जिला, विधानसभा एवं बूथ स्तर तक



निरंतर सक्रियता, समर्पित कार्यशैली और प्रभावी जनसंपर्क की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक का उद्देश्य कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक सशक्त बनाना, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना और प्रदेश की जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना रहा।

उधर नर्मदापुरम संभागीय बैठक में जिला प्रभारी संजय शर्मा एवं जिलाअध्यक्ष शिवाकांत गुहन पांडेय ने संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा विधानसभा स्तर पर कांग्रेस की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए। नर्मदापुरम जिले के चारों प्रभारी कविंद्र रघुवंशी, नवनीत मालवीय, बृजेश पटेल एवं राजीव पालिवाल उपस्थित रहे। बताया जाता है कि पटवारी ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच आपसी तालमेल बढ़ाने, विधानसभा स्तर पर संगठन की गतिविधियों को गति देने तथा आगामी कार्यक्रमों की प्रभावी रूपरेखा तैयार करने के लिये कहा है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com